संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -213 सोमवार ,05 जून 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

भीषण ट्रेन हादसे की वजह आई सामने

बुधवार तक मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया जायेगा,जिसके बाद ट्रेनों का संचालन पुर्नः शुरू किया जायेगा

» रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का बड़ा बयान

बालासोर,04 जून 2023(ए)। ओडिशा के बालासोर में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे के बाद आज दूसरे दिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण किया। वहीं हादसे के बाद रेस्क्यू का कार्य पूरा कर लिया गया है और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कहा है कि बुधवार तक मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया जायेगा, जिसके बाद ट्रेनों का संचालन पुर्नः शुरू किया जायेगा।

बता दें कि हादसा कैसे हुआ इसकी असल वजह सामने आ गयी है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव कहा है कि रेल हादसे की असली वजह का पता चल गया है। इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान भी कर ली गई है। रेल मंत्री ने खुलासा किया कि इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव के कारण यह दुर्घटना हुई है। दरअसल अश्विनी वैष्णव रविवार को दोबारा घटनास्थल पहुंचे। यहां उन्होंने श्रमिकों की हौसला अफजाई की और हालातों का जायजा लिया। इस दौरान अश्विनी वैष्णव ने जानकारी देते हुए बताया कि हादसे की असली वजह पता चल गई है। सेफ्टी कमिश्नर जल्द अपनी रिपोर्ट सैंपेंगे।

ममता बनर्जी के 'कवच' नहीं लगाने के आरोप पर रेल मंत्री ने कहा, कल ममता ने जो सुरक्षा कवच की बात कही वो सही नहीं हैज उन्हें इस विषय में जितना पता था उन्होंने बोला लेकिन वे बातें यहां लागू नहीं होती है. कवच का यहां कोई काम नहीं है।÷ उन्होंने कहा कि ममता ने हादसे के बारे में 'कोई और वजह' नहीं बताई।

साथ ही रेल मंत्री ने ये भी बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर काम तेजी से जारी है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी ने कल घटनास्थल का दौरा किया था। हम आज ट्रैक को बहाल करने की कोशिश करेंगे। सभी शव निकाल लिए गए हैं। हमारा लक्ष्य बुधवार सुबह तक बहाली का काम खत्म करना है ताकि इस ट्रैक पर ट्रेनों का संचालन फिर से शुरू हो सके। बता, दें ट्रैक के मरम्मत के काम के लिए हजार से ज्यादा लोगों की टीम काम में लगी जुटी हुई है।

पूरी रात काम करती रहीं टीमें

वहीं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि मरम्मत का काम लगभग पूरा हो गया है। रेलवे की टीम ने पूरी रात काम करकी रही। अब मृतकों की पहचान कर कानूनी प्रक्रिया के बाद उन्हें उनके परिवारों तक पहुंचाने का काम हो रहा है। घटना कोलकाता-चेन्नई मेन लाइन पर हुई है। ऐसे में काफी ट्रेनें ऐसी हैं जिनके रूट को बदला गया है और कई ट्रेनें बंद हैं। इससे पहले केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया भी ओडिशा ट्रेन दुर्घटना के घायलों के इलाज का जायजा लेने के लिए भुवनेश्वर पहुंचे थे।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा बालासोर रेल हादसा, एक्सपर्ट पैनल से जांच की मांग

सुप्रीम कोर्ट के एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ पैनल द्वारा बालासोर ट्रेन दुर्घटना की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। जनहित याचिका में कवच नामक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए दिशानिर्देश / निर्देश भी मांगे गए हैं।

सौ शव एम्स लाए गए,सीएम पटनायक ने पांच-पांच लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की

ओडिशा के बालासोर जिले में दर्दनाक ट्रेन दुर्घटना में मारे गए यात्रियों के 100 से अधिक शवों को रविवार सुबह एम्स भुवनेश्वर लाया गया। एक अधिकारी ने कहा कि शवों को बालसोर से 50 एंबुलेंस में लाया गया और एम्स की मोर्चरी में रखा गया।

ओडिशा सरकार ने लगभग 160 शवों को भुवनेश्वर लाने का फैसला किया है जिन्हें विभिन्न सरकारी और निजी अस्पतालों की मोर्चरी में रखा जाएगा।

हादसे की वजह से भद्रक और बालासोर का रेलमार्ग से संपर्क टूट गया है। मुख्य सचिव पी.के. जेना ने कहा कि परिवार के सदस्य प्रियजनों के शवों को खोजने के लिए आसानी से भुवनेश्वर जा सकते हैं, इसलिए उन्हें भुवनेश्वर में रखा गया है। जेना ने कहा, अज्ञात शवों को 42 घंटे तक सुरक्षित रखा जाएगा। अगर कोई शवों पर दावा नहीं करेगा, तो हम चिकित्सा प्रक्रियाओं के अनुसार उनका निपटान कर सकते हैं।

आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, करीब 55 शवों की पहचान कर ली गई है और उन्हें पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

इस बीच, ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने बाहानगा ट्रेन त्रासदी में मरने वालों के परिजनों के लिए पांच-पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से यह मदद दी जाएगी।

उन्होंने हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के लिए एक-एक लाख रुपये की सहायता की भी घोषणा की।

भरभराकर गंगा नदी में गिरा नीतीश कुमार का ड्रीम पुल

» रविवार होने के कारण बंद था निर्माणाधीन अगुवानी-सुल्तानगंज पुल का काम

» पिछली बार 9 अप्रैल, 2022 की रात में ढहे थे निर्माणाधीन पुल के 36 स्पैन

» विधायक ने कंपनी पर लगाया घटिया निर्माण का आरोप

भागलपुर/खगड़िया,04 जून 2023(ए)। अगुवानी-सुल्तानगंज निर्माणाधीन पुल के तीन पिलर फिर से गिर गए, जिससे लगभग 100 मीटर तक पुल हिस्सा ढह गया। सुल्तानगंज अगुवानी पुल घटना में एक गार्ड के लापता होने की सूचना मिल रही है। किसी की मौत की खबर नहीं है।

इससे पूर्व, 29 अप्रैल, 2022 की रात में निर्माणाधीन पुल के 36 स्पैन ढहे थे। रविवार का दिन होने के कारण काम बंद था। अभी तक किसी के भी हताहत होने की सूचना नहीं है।

इधर, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम खगड़िया के कार्यपालक अभियंता योगेंद्र कुमार ने बताया कि कुछ स्पैन गिरे हैं।` वह घटनास्थल की ओर रवाना हो रहे हैं।` अभी इसके आगे विशेष कुछ नहीं कहा जा सकता है। वहां पहुंचने के बाद ही स्पष्ट कुछ कहा जा सकेगा।

खगड़िया डीएम अमित कुमार पांडेय ने कहा कि किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। अधिकारी को घटनास्थल पर भेजा गया है। मिसिंग चेक कर रहे हैं।

विधायक ने उठाए कंपनी पर सवाल

परबत्ता विधायक डॉक्टर संजीव कुमार ने कहा है कि इस पुल की क्वालिटी को लेकर विधानसभा में भी उन्हें होंने सवाल उठाए थे। अगुवानी-सुल्तानगंज महासेतु मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, लेकिन यहां निर्माण कंपनी एसपी सिंगला की ओर से क्वालिटी का काम नहीं किया गया है।

परबत्ता विधायक ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए दोषियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने एसपी सिंगला के प्रोजेक्ट डायरेक्टर आलोक झा को भी आड़े हाथों लिया है।

नहीं बिकेंगी पेरासिटामोल सहित कई खांसी-बुखार की दवाइयां

» सरकार ने एफडीसी की 14 दवाओं पर लगाया बैन

नई दिल्ली,04 जून 2023(ए)। सरकार ने एफडीसी की 14 दवाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसमें खांसी और बुखार की दवाइयां भी शामिल हैं। सरकार ने अधिसूचना में कहा कि ये दवाइयां लेने से जान का खतरा है। इसलिए इनका कोई चिकित्सीय महत्व नहीं है। बैन की जाने वाली दवाओं में निमेसुलाइड और घुलनशील पेरासिटामोल गोलियों एवं क्लोफेनिरामाइन मैलेट तथा कोडीन सीरप जैसी दवाएं शामिल है। 'फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन' (एफडीसी) वाली इन दवाओं पर प्रतिबंध लगाने के बारे में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को एक अधिसूचना जारी की थी।

अधिसूचना में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि एफडीसी की 14 दवाओं का कोई चिकित्सीय उपयोग नहीं है। ये दवाएं लोगों के जीवन को जोखिम में डाल सकती हैं।

इन दवाओं पर प्रतिबंध

प्रतिबंधित दवाओं में सामान्य संक्रमण, खांसी और बुखार के इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली मिश्रित दवाएं शामिल हैं। इनमें निमेसुलाइड व पेरासिटामोल की घुलनशील गोलियां, क्लोफेनिरामाइन मैलेट + कोडीन सीरप, फोलकोडाइन + प्रोमेथाज़िन, एमोक्सिसिलिन + ब्रोमहेक्सिन और ब्रोमहेक्सिन + डेक्सट्रोमेथोर्फन + अमोनियम क्लोराइड + मेन्थॉल, पैरासिटामोल + ब्रोमहेक्सिन+ फिनाइलफ्राइन + क्लोरफेनिरामाइन + गुइफेनेसिन और सालबुटामोल + ब्रोमहेक्सिन के नाम हैं।

सरकार ने यह कदम विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों के बाद यह कदम उठाया है। विशेषज्ञ समिति ने सरकार को भेजी अपनी सिफारिश में कहा कि इन एफडीसी (फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन) दवाओं का कोई चिकित्सीय औचित्य नहीं है और इन दवाओं को लेने से मानव जीवन में खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए, जनहित में, औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 की धारा 26 ए के तहत इस एफडीसी के विनिर्माण, बिक्री या वितरण पर रोक लगाना आवश्यक है।

गौरतलब है कि एफडीसी दवाएं वे होती हैं जिन्हें एक निश्चित अनुपात में दो या दो से अधिक सक्रिय औषधीय सामग्री का मिश्रित करके बनाया जाता है। साल 2016 में, सरकार ने 344 दवा संयोजनों के निर्माण, बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। यह घोषणा उच्चतम न्यायालय के आदेश पर गठित एक विशेषज्ञ समिति के यह कहने के बाद की गई थी कि संबंधित दवाएं बिना वैज्ञानिक डेटा के रोगियों को बेची जा रही हैं। इस आदेश को विनिर्माताओं ने अदालत में चुनौती दी थी। वर्तमान में प्रतिबंधित की गई 14 एफडीसी संबंधित 344 दवाओं के संयोजन का हिस्सा हैं।

डिब्बों से अलग हुआ रेल इंजन

ओडिशा जैसा बड़ा ट्रेन हादसा टला

कोकराझार,04 जून 2023(ए)। असम के कोकराझार में ओडिशा की घटना की तरह एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक ट्रेन का इंजन और दो अन्य डिब्बों के साथ आगे चला गया जबकि शेष 8 डिब्बे बाकी ट्रेन से अलग हो गए। ट्रेन का इंजन दो डिब्बों के साथ करीब 600 मीटर तक आगे चला गया। गनीमत की बात यह रही कि पीछे से कोई ट्रेन नहीं आ रही थी, इसलिए बड़ी घटना होते-होते बची।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह घटना कोकराझार और फकीराग्राम रेलवे स्टेशनों के बीच की बताई जा रही है। यहां पर ट्रेन का इंजन दो बोगियों के साथ आगे चला गया और पीछे आठ डिब्बे रह गए। हालांकि, कोई बड़ी दुर्घटना नहीं हुई। उसमें कोई यात्री भी नहीं था। अगर इसी बीच कोई ट्रेन आ जाती तो ओडिशा जैसी घटना बड़ी घटना हो सकती थी।

एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, हमने इंजन को बोगियों से अलग होते देखा। ट्रेन का इंजन करीब 600 मीटर तक कुछ डिब्बों को छोड़कर चलता रहा। सौभाग्य से ट्रेन के अंदर कोई यात्री नहीं था। हालांकि हमें शुरू में लगा कि यह राजधानी एक्सप्रेस है, लेकिन बाद में हमें पता चला कि यह एक नई ट्रेन थी और हम इसके नाम से अवगत नहीं थे। बाद में जब लोको पायलट को इसका पता चला तो उन्होंने इंजन पीछे लाकर रेलवे स्टेशन से आए गार्ड की मदद से बोगियों को जोड़ दिया। बता दें, ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार को तीन ट्रेनों के आपस में टकराने के कारण हुए भीषण रेल हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में 288 लोगों की मौत हुई है और 900 के करीब लोग घायल हुए हैं।

दोहरे हत्याकांड में 35 को उम्रकैद की सजा

पटना ,04 जून 2023(ए)। पूर्णिया की जिला अदालत ने 10 साल पहले हुए दोहरे हत्याकांड के मामले में 35 लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। 30 जनवरी, 2013 को 40 लोगों के एक समूह ने म ह म्म द जमीलुद्दीन और उनके भ ती जे अ ज हर आलम को जिले के बेगमपुर गांव में दिनदहाड़े पीट-पीटकर मार डाला था। चार अभियुक्तों की सुनवाई के दौरान मौत हो गई, जबकि हत्या के समय एक किशोर निकला।

पूर्णिया कोर्ट में अतिरिक्त सरकारी वकील ओम प्रकाश पासवान ने कहा, बीती अदालत ने 35 अभियुक्तों को दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। किशोर अभियुक्त को तीन साल तक निगरानी गृह में बिताने के बाद रिहा कर दिया गया। अदालत ने प्रत्येक दोषियों पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

कार्यक्रम के दौरान माइक बंद होने पर सीएम गहलोत को आया गुस्सा,फेंका माइक

जयपुर,04 जून 2023(ए)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत बाड़मेर में एक कार्यक्रम के दौरान दो बार माइक बंद होने के बाद आपा खो बैठे और जिला कलेक्टर पर डिवाइस फेंक दिया। मुख्यमंत्री शाम बाड़मेर में सर्किट हाउस में महिलाओं के लिए एक सरकारी योजना के संबंध में महिलाओं से बातचीत कर रहे थे। बाद में जिलाधिकारी ने फेंका हुआ माइक उठाया। वहीं, मुख्यमंत्री कार्यक्रम के दौरान भीड़ प्रबंधन से खुश नहीं थे। गहलोत बाड़मेर के दो दिवसीय दौरे पर थे।

सीएम गहलोत जनसभा को संबोधित करने के बाद सर्किट हाउस गए और एक कार्यक्रम में शामिल हुए, जहां सरकार द्वारा महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं पर चर्चा हुई। महिलाओं ने सीएम को उड़ान योजना के लाभ बताए। चर्चा के दौरान राज्यमंत्री हेमाराम चौधरी, पंजाब के प्रभारी और बायतू विधायक हरीश चौधरी, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष और विधायक मेवाराम जैन, पद्मराम मेघवाल उपस्थित थे।

चारधाम यात्रा के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

» 40 लाख से अधिक यात्री करा चुके हैं पंजीकरण

बद्रीनाथ ,04 जून 2023(ए)। गर्मी आते ही लोगों के चारधाम यात्रा पर जानें का सिलसिला शुरू हो जाता है। चारधाम यात्रा में दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों का आंकड़ा 20 लाख पार हो गया है। अब तक 7.13 लाख श्रद्धालुओं ने भगवन केदारनाथ के दर्शन कर लिए है। चारधाम यात्रा के लिए 40 लाख से अधिक यात्री पंजीकरण करा चुके हैं। सरकार ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए फिलहाल 15 जून तक केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए ऑनलाइन पंजीकरण पर रोक लगाई है।

दरअसल, चार धामों बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री में लगातार बढ़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। ऐसे में फिलहाल के लिए नए रजिस्ट्रेशन पर अस्थायी रोक लगा दी गई है। पर्यटन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, मौसम साफ होने पर केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में रोजाना 60 हजार से अधिक यात्री दर्शन कर रहे हैं। 22 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने से चारधाम यात्रा का आगाज हुआ, जबकि 25 अप्रैल को केदारनाथ और 27 अप्रैल को बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद पूर्ण रूप से यात्रा शुरू हुई। 20 मई से हेमकुंड साहिब की यात्रा शुरू की गई। अब तक चारधाम यात्रा में 20 लाख से अधिक यात्री दर्शन कर चुके हैं।

लंबी कानूनी लड़ाई के तीन साल बाद मिला पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती को पासपोर्ट

श्रीनगर ,04 जून 2023(ए)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को तीन साल बाद 10 वर्ष की वैधता वाला पासपोर्ट जारी किया गया है। सूत्रों ने आज यह जानकारी दी। दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबी कानूनी लड़ाई के बाद महबूबा को पासपोर्ट मिल गया है। उनके पासपोर्ट की वैधता 2019 में समाप्त हो गई थी और वह तभी से इसके नवीनीकरण की मांग कर रही थीं। महबूबा को ऐसे समय में पासपोर्ट जारी किया गया है, जब दो दिन बाद जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय में उनकी बेटी इल्तिजा की याचिका पर सुनवाई होनी है, जिसमें उन्होंने खुद को देश विशिष्ट पासपोर्ट देने के पासपोर्ट कार्यालय के फैसले को चुनौती दी है।

महबूबा को दिए पासपोर्ट की वैधता एक जून 2023 से 31 मई 2033 तक है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने इस साल मार्च में पासपोर्ट प्राधिकरण से पीडीपी प्रमुख को नया यात्रा दस्तावेज जारी करने के लिए तीन महीने के भीतर फैसला लेने को कहा था। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने अपने आदेश में कहा था, ''यह देखते हुए कि मामला पासपोर्ट अधिकारी को वापस भेज दिया गया है और प्रारंभिक अस्वीकृति दो साल पहले हुई थी, संबंधित पासपोर्ट अधिकारी को शीघ्रता से और किसी भी स्थिति में तीन महीने के भीतर निर्णय लेने दें। अदालत का यह आदेश मुफ्ती की उस याचिका पर आया था, जिसमें उन्होंने नया पासपोर्ट जारी करने के संबंध में उनकी अपील पर अधिकारियों को जल्द निर्णय लेने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री ने याचिका में कहा था कि कई बार स्मरण-पत्र भेजे जाने के बावजूद उन्हें नया पासपोर्ट जारी करने में काफी देरी हुई। उन्होंने कहा था कि उनकी अपील पर कोई फैसला नहीं लिया जा रहा है। केंद्र सरकार के वकील ने अदालत को सूचित किया था कि दो मार्च को अपील पर एक आदेश पारित किया गया था और मामला नए सिरे से विचार के लिए जम्मू-कश्मीर में पासपोर्ट अधिकारी को भेजा गया है।

शव पर यौन हमले के मामले में नहीं बनता है रेप केस :कर्नाटक हाईकोर्ट

बेंगलुरु ,04 जून 2023(ए)। कर्नाटक हाई कोर्ट ने महिला के शव को रेप करने वाले आरोपी के ऊपर लगे आरोपों को हटा दिया है। बता दें कि कर्नाटक हाईकोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान माना कि महिला के शव पर यौन हमले को आईपीसी की धारा 376 के तहत बलात्कार का अपराध नहीं होगा। इस फैसले के बाद 21 साल की एक लड़की की हत्या के बाद उसके शव के साथ रेप करने वाले शख्स के ऊपर से बलात्कार के आरोप हटा दिए गए। वहीं कर्नाटक हाईकोर्ट ने इस आदेश के बाद कहा है कि अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार को नेक्रोफिलिया को अपराध बनाने के लिए कानून में संशोधन करने की जरुरत है।

कर्नाटक हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने दोषी रंगराजू की ओर से दाखिल की गई याचिका पर ये फैसला दिया. हालांकि, हाईकोर्ट ने हत्या के आरोप में ट्रायल कोर्ट से दोषी करार होने पर रंगराजू को मिले आजीवन कारावास के फैसले को बरकरार रखा है।

नहीं कहा जा सकता रेप का मामला- हाईकोर्ट

हाईकोर्ट ने कहा कि आईपीसी की धारा 375 और 377 को सावधानी के साथ पढ़ने के बाद साफ है कि शव को इंसान या शख्स नहीं कहा जा सकता है। इसके चलते आईपीसी की धारा 375 और 377 मामले में नहीं लगेंगे. हाईकोर्ट ने कहा कि ये मामला दोषी की ओर से हत्या के बाद शव के साथ रेप करने से जुड़ा है।

डिवीजन बेंच की ओर से कहा गया कि इसके चलते आईपीसी की धारा 375 और 377 के तहत अपराध इस पर लागू नहीं होंगे। ये नेक्रोफीलिया का मामला है और आईपीसी 376 के तहत सजा नहीं दी जा सकती है। हालांकि, इसी के साथ कर्नाटक हाईकोर्ट ने सरकार से इस कानून में बदलाव कर ऐसे मामलों में सजा दिए जाने की सिफारिश की।

संपादकीय

पहलवानों के आंदोलन से भाजपा क्यों बेपरवाह?

ऐसा लग रहा है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता पहलवानों के आंदोलन की परवाह नहीं कर रहे हैं। यह ठीक उसी तरह है, जैसे किसानों के आंदोलन के समय हुआ था। भाजपा ने एक साल तक किसान आंदोलन की कोई परवाह नहीं की। एक साल के बाद हालांकि प्रधानमंत्री ने तीनों कृषि कानून वापस ले लिए लेकिन उसके अलावा किसानों से किया गया कोई वादा पूरा नहीं किया। एमएसपी की गारंटी का कानून बनाने के मामले में सरकार ने कोई पहल नहीं की है। भाजपा के नेता मानते हैं कि किसान आंदोलन का कोई राजनीतिक नुकसान उनको नहीं हुआ। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड दोनों जगह भाजपा बड़े बहुमत से जीती। पंजाब में भाजपा जहां थी वही रही उलटे कांग्रेस को भारी नुकसान हुआ, जिसने किसान आंदोलन का सबसे ज्यादा खुल कर समर्थन किया था। यहां तक कहा जा रहा था कि पंजाब की तत्कालीन कांग्रेस सरकार और हरियाणा के कांग्रेस नेताओं ने आंदोलन को मदद पहुंचाई थी।

उसी तरह अब कहा जा रहा है कि पहलवानों के आंदोलन के पीछे हरियाणा कांग्रेस के नेता हैं। पहलवानों के निशाने पर आए भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह लगातार इस आंदोलन को एक परिवा और एक खाप का आंदोलन और कांग्रेस पार्टी की साजिश साबित करने में लगे हैं। इस वजह से भाजपा बेपरवाह है क्योंकि उसे लग रहा है कि आम आवाम पर इसका कोई असर नहीं होगा। उसने बहुत होशियारी से इसे हरियाणा के एक परिवार, एक खाप और एक जाति का आंदोलन बना दिया है। वैसे भी भाजपा ने हरियाणा में गैर जाट मुख्यमंत्री बना कर अपना राजनीतिक इरादा साफ कर दिया है। तभी उसको अपने नुकसान की चिंता नहीं है। हां, उसकी सहयोगी जननायक जनता पार्टी को बड़ा नुकसान हो सकता है। तभी उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और उनकी पार्टी के नेता ज्यादा परेशान हैं।

उत्तर कोरिया जब चाहे बढ़ा देगा घबराहट!

अभी एक दिन पहले, चीखते सायरनों की आवाज़ से दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के रहवासियों की देर रात नींद टूटी। लोगों से कहा जा रहा था कि वे सुरक्षित जगहों पर चले जाएं। अफरातफरी और अराजकता का माहौल बन गया। सरकार ने यह चेतावनी इसलिए जारी की थी क्योंकि उत्तर कोरिया में सेटेलाइट छोड़ने की तैयारी की भनक लगी थी। फिर पता चला कि उसकी कोशिश असफल हुई है। इसके बाद चेतावनी वापस ले ली गई और लोगों से कहा गया कि वे अपने रोज़मर्रा के काम शुरू कर सकते हैं। परन्तु इसके बाद भी लोगों में घबड़ाहट कम नहीं हुई। कईयों का मानना था कि सरकार ने बिना बात तमाशा खड़ा दिया।

उत्तर कोरिया ने घोषणा की थी कि वह 31 मई से 11 जून के बीच एक उपग्रह छोड़ेगा। इस लांच से दक्षिण कोरिया के लिए भले ही सीधे कोई खतरा न हो परन्तु यह पक्का है कि उत्तर कोरिया का सेटेलाइट प्रोग्राम, दक्षिण कोरिया के लिए खतरे और जोखिम का सबब है।

उत्तर कोरिया का दावा है कि सेटेलाइट छोड़ने का उसका निर्णय, 25 मई और 15 जून के बीच दक्षिण कोरिया और अमेरिका की कई लाइव-फायर ड्रिल्स (ऐसे सैन्य अभ्यास जिनमें असली गोला-बारूद का इस्तेमाल किया जाता है) का जवाब था। परन्तु सच यह है कि उत्तर कोरिया का उपग्रह कार्यक्रम लम्बे समय से चल रहा है। जानकारों का कहना है कि अभी अन्तरिक्ष में उत्तर कोरिया का ऐसा एक भी उपग्रह नहीं है जो काम कर रहा हो। सन 1998 के बाद से लेकर अब तक उत्तर कोरिया ने पांच सेटेलाइट छोड़े हैं, जिनमें से तीन लांच के तुरंत बाद नष्ट हो गए और दो किसी तरह अपनी कक्षा (ऑर्बिट) तक पहुँच सके। उत्तर कोरिया कहता है कि उसके दो लांच सफल रहे हैं पहला 2012 में और दूसरा इसके तीन साल बाद। हालाँकि जानकारों को संदेह है कि इनमें से कोई भी सेटेलाइट धरती पर डाटा भेज रहा है।

उत्तर कोरिया ने 2016 के बाद से अन्तरिक्ष में सेटेलाइट भेजने का कोई प्रयास नहीं किया है परन्तु देश के तानाशाह शासक किम जोंग उन ने सत्ताधारी पार्टी के 2021 में आयोजित एक सम्मलेन में यह दोहराया था कि वे चाहते हैं कि उनके देश के अपने उपग्रह हों। उत्तर कोरिया ने कहा है कि पिछले साल उसने उपग्रहों को छोड़ने के साजो-सामान के कई टेस्ट किये हैं।

हॉल में जिस उपग्रह को छोड़ने की कोशिश थी वह एक तरह का जासूसी उपग्रह था। परन्तु लांच असफल रहा। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यान के निचले हिस्से के अलग होते समय राकेट अपनी गति खो बैठा और समुद्र में डुब गया। परन्तु सरकार ने जल्द ही एक बार फिर प्रयास करने का संकल्प दोहराया है। किम जोंग उन की बहन किम यो कोंग, जो काफी ताकतवर मानी जाती हैं, ने अमरीका पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि बुधवार के असफल लांच की आलोचना कर अमेरिका एक पाखंडी गैंगस्टर की तरह व्यवहार कर रहा है। उन्होंने कहा कि बतौर एक संप्रभु देश के उत्तर कोरिया को अन्तरिक्ष में अपनी टोही सेटेलाइट स्थापित करने का पूरा हक़ है। उन्होंने यह भी कहा कि आगे भी सेटेलाइट लांच होते रहेंगे।

उत्तर कोरिया का दावा है कि उसके सेटेलाइट केवल घरेलू इस्तेमाल के लिए हैं और उनका उद्देश्य है आम लोगों को समृद्ध बनाना। परन्तु हालिया लांच के उद्देश्य सैनिक लगते है। उत्तर कोरिया दुनिया के इस इलाके में अमेरिका की गतिविधियों पर नज़र रखना चाहता है। बताया जा रहा है कि सेटेलाइट का प्रयोग देश के नागरिकों पर जासूसी करने के लिए भी किया जायेगा। उत्तर कोरिया अमरीका के पाखंड की बात तो कर रहा है परन्तु अपना स्वयं का पाखंड उसे नज़र नहीं आ रहा है।

बहरहाल, अब स्थिति यह है कि दक्षिण कोरिया, जापान और अमरीका हाई अलर्ट पर हैं और उत्तर कोरिया यह साबित करने पर आमादा है कि वह एक संप्रभु देश है।

आओ पर्यावरण की रक्षा कर धरती को स्वर्ग बनाएं

» प्लास्टिक प्रदूषण को मात देने मुहिम जरूरी

» प्रकृति और पर्यावरण ब्रह्मांड को सुचारू तौर पर चलाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाते हैं, जिससे सुरक्षित रखना परम माननीय धर्म है

वैश्विक स्तरपर प्रति वर्ष की तरह इस वर्ष भी 5 जून 2023 को 44 वां विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है है क्योंकि वर्तमान कुछ दशकों से पर्यावरण संबंधी त्रासदी का सामना वैश्विक स्तरपर हर देश कर रहा है इसलिए पर्यावरण सुरक्षा को गंभीरता से रेखांकित करना हर देश के हर नागरिक के लिए तात्कालिक जरूरी है हो गया है। हालांकि हर देश में पर्यावरण सुरक्षा को लेकर 5 जून को पर्यावरण सुरक्षा संबंधी कार्यक्रम रखे जाते हैं परंतु अब समय आ गया है कि वैश्विक स्तरपर हर नागरिक को विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण की सुरक्षा अपने निजी, व्यक्तिगत कार्य मानते हुए इस वर्ष की थीम प्लास्टिकप्रदूषण को मात, सफल बनाने के लिए कम से कम 5 संकल्प लेने की ज़रूरत है। पृथ्वी की संरचना,सूर्य से उसकी दूरी और अन्य भौतिक दशाओं के कारण यहां जीवन का अस्तित्व है। हवा, पानी मिट्टी और विविध वनस्पतियां प्रकृति के ऐसे उपहार हैं, जिनकी वजह से धरती पर जीवन संभव हुआ है। पृथ्वी पर जीवन के विभिन्न रूप इसे एक अनूठा ग्रह बनाते हैं परंतु हम लंबे समय से पृथ्वी के प्राकृतिक तंत्र का उपभोग शोषण और विनाश कर रहे हैं।अब वक्त आ गया है कि उक्त संकल्प लेकर तीव्रता से इसकी सुरक्षा करनी होगी जिसको गंभीरता से रेखांकित करने की ज़रूरत है ताकि हम आने वाली अनेक पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पर्यावरण व्यवस्था को छोड़कर जाएं ताकि हम उनकी आलोचना, घृणा और नफ़रत के पात्र होने से अपने आप को बचा कर खुद वर्तमान जीवन सुरक्षित होकर जीएं।

साथियों बात अगर हम इस सृष्टि में में पर्यावरण के महत्व की करें तो धरती को इंसान के रहने योग्य बनाने के लिए प्रकृति व पर्यावरण को सुरक्षित रखना चाहिए।पर्यावरण और धरती जीवन जीने के लिए सबसे जरूरी चीजें उपलब्ध कराती है, जैसे सांस लेने के लिए हवा और पेट भरने के लिए भोजन पानी। हालांकि धरती को जीने के लिए एक अच्छे वातावरण की जरूरत होती है, जो प्रकृति देती है। प्रकृति और पर्यावरण ब्रह्मांड को सुचारू तौर पर चलाने का काम करता है। प्रकृति हमें जीने के लिए बहुत कुछ देती है हालांकि इंसान बदले में प्रकृति का दोहन करता है और पर्यावरण को प्रदूषित करता है। इससे प्रकृति को नुकसान होता है और जनजीवन खतरे में पड़ जाता है। इंसान का कर्तव्य है कि ग्लोबल वार्मिंग, मरीन पॉल्यूशन के बढ़ते खतरे और बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करें, ताकि पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके। इसी कर्तव्य के प्रति लोगों को सचेत करने के लिए प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम हमारे जीवन में पर्यावरण के महत्व की करें तो ये पृथ्वी इंसान को दी हुई ईश्वर की सबसे बड़ी देन है, लेकिन इंसान का स्वभाव ही ऐसा है कि उसे चीजों की कदर तभी होती है जब वो उसे खो देता है। इंसान की गलतियों काखामियाजा पृथ्वी को भुगतना पड़ता है।इंसान का जीवन धरती के वातावरण के कारण अस्तित्व में है। हमारे सांस लेने के लिए हवा से लेकर खाने पीने तक की हर जरूरी चीजें वातावरण उपलब्ध कराता है और धरती पर जीने के लिए अनुकूल माहौल देता है। यह सब प्रकृति की देन है। प्रकृति और पर्यावरण से ही ब्रह्मांड सुचारू रूप से चल पाता है। प्रकृति तो हमें जीने के लिए बहुत कुछ देती है लेकिन इसके बदले में इंसानों ने प्रकृति का सिर्फ दोहन किया और पर्यावरण को प्रदूषित किया। जिससे प्रकृति को तो नुकसान हो ही रहा है, साथ ही जनजीवन का अस्तित्व भी खतरे में है। ऐसे में हर इंसान का कर्तव्य है कि वह पर्यावरण को सुरक्षित रखने का प्रयास करें। ग्लोबल वार्मिंग, मरीन पॉल्यूशन के बढ़ते खतरे और बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करें, ताकि पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। इसके लिए हर साल 5 जून

को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2023 की थीम की करें तो इस वर्ष, 2023, विश्व पर्यावरण दिवस 2023 की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को मात है , जो विश्व पर्यावरण दिवस की 51वीं वर्षगांठ है और प्लास्टिकप्रदूषण से निपटने के लिए एक वैश्विक आह्वान है।प्लास्टिक प्रदूषण शब्द का अर्थ अपशिष्ट प्लास्टिक उत्पादों के संचय और पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र के कणों से है। एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के उपयोग में घातीय वृद्धि के कारण यह पर्यावरण संबंधी चिंताओं में सबसे आगे बढ़ गया है विकासशील देशों में प्रति व्यक्ति अधिक प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होता है, जहां कचरा संग्रहण प्रणाली खराब होती है। इसके कारण समुद्र को प्रदूषित करने वाला अधिकांश प्लास्टिक विकासशील और मध्यम आय वाले देशों की नदियों में उत्पन्न होता है। हालाँकि, विकसित राष्ट्र, विशेष रूप से कम पुनर्चक्रण दर वाले, भी प्लास्टिक अपशिष्ट संग्रह के साथ संघर्ष करते हैं।2019 में, वैश्विक स्तर पर 46 करोड़ टन प्लास्टिक डंप किया गया था, जहां 9 प्रतिशत प्लास्टिक कचरे को रिसाइकिल किया गया था, और 22 प्रतिशत का कुप्रबंधन किया गया था। हालांकि 120 से अधिक देशों में एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक पर किसी न किसी रूप में प्रतिबंध या कर है, लेकिन यह समस्या को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित नहीं करता है।अधिकांश नियम प्लास्टिक की थैलियों जैसी वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो प्लास्टिक कचरे के एकनगण्य हिस्से के लिए खाते हैं, लेकिन प्लास्टिक की खपत को कम करने के बजाय कूड़े कोमहत्वपूर्ण रूप से प्रभावित करते हैं। यह प्लास्टिक के उपयोग और इसके खतरनाक पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाने के महत्व को बताता है।इस दिन, दुनिया के विभिन्न कोनों से लोग प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए आगे आते हैं और प्लास्टिक के प्रतिस्थापन में स्थायी समाधान खोजने के लिए स्थानीय अधिकारियों, उद्योगों, समुदायों और व्यक्तियों को एकजुट करना चाहते हैं।

साथियों बात अगर हम मानवीय जीवन को बचाने, सुरक्षित करने कम से कम पांच कठोर संकल्पों की करें तो,पर्यावरण दिवस पर(1) संकल्प लें कि पॉलीथिन या प्लास्टिक के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगाने का प्रयास करेंगे। प्रकृति के सबसे बड़े दुश्मन पॉलीथिन और प्लास्टिक ही हैं। ऐसे में खुद तो हम इनका इस्तेमाल नहीं करेंगे, साथ ही किसी अन्य को पॉलीथिन या प्लास्टिक का इस्तेमाल करते देखेंगे तो उसे भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करेंगे। (2) प्रकृति पेड़ पौधों पर निर्भर है। लेकिन आजकल अंधाधुंध पेड़ पौधों की कटाई हो रही है। पेड़ पौधों की कटाई से ऑक्सीजन की कमी होने के साथ ही मौसम चक्र भी बिगड़ रहा है। इस कारण कई भीषण प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में संकल्प लें कि पेड़ पौधों की कटाई बंद करके अधिक से अधिक पौधारोपण करेंगे, ताकि प्रकृति को अब तक हुए नुकसान का भरपाई हो सके। (3) घर से निकलने वाले कचरे को सही स्थान पर पहुंचाएंगे। हर दिन हमारे घर से बहुत सारा कचरा निकलता है। जिसको लोग इधर-उधर फेंक देते हैं। इसके कचरा या तो जानवरों के पेट में जाता या फिर नदियों में बह जाता है। इस कारण हमारी नदियां भी प्रदूषित होती हैं। कचरे को इधर उधर न फेंकें बल्कि उसे कूड़ेदान में ही डालें। सूखे और गीले कचरे को अलग अलग करके उसे फेंके, ताकि उसका सही तरीके से इस्तेमाल हो सके। (4) वातावरण को शुद्ध और सुरक्षित रखने में पेड़ पौधे, धरती, मिट्टी, जीव-जंतु, जल आदि की अहम भूमिका है, इसलिए इस मौके पर इस सभी का आभार व्यक्त करते हुए प्रार्थना करें कि पर्यावरण का संतुलन हमेशा बना रहें और संकल्प लें कि पर्यावरण को संतुलित और सुरक्षित रखने के लिए जो कुछ भी करना पड़े, हम करेंगे। (5) किसी व्यक्ति का जीवन सांस लेने से चलता है और सांस लेने के लिए शुद्ध हवा की जरूरत होती है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस पर संकल्प लीजिए कि सांस लेने के लिए स्वच्छ हवा हो, इसके लिए हम पेट्रोल-डीजल के बदले ई वाहन का उपयोग करेंगे। ज्यादा से ज्यादा पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करेंगे। (6) अभी 2 दिन पहले ही 3 जून 2023 को हमने विश्वसाइकिल दिवस मनाया है जिसे अधिक से अधिक उपयोग में लाने का संकल्प हमें लेना है।

साथियों बात अगर हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के इतिहास की करें तो विश्वपर्यावरण दिवस पृथ्वी पर मानवता केप्रभाव के बारे में बढ़ती चिंता के कारण अस्तित्व में आया था। राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) इस उत्सव के पीछे प्राथमिक एजेंसी है। पर्यावरण के मुद्दों के बारे में आम लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए ये दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण दिवस सामूहिक कार्रवाई के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह परिवर्तन को प्रभावित करने के लिए आवाजों को बढ़ाने और प्रतिभागियों की एजेंसी को मजबूत करने में भी मदद करता है। वर्ष 1972 में स्टॉकहोम में संयुक्तराष्ट्र ने पहला वैश्विक पर्यावरण सम्मलेन आयोजित किया था। इसमें 119 देशों ने हिस्सा लिया था। इस सम्मलेन का मुख्य विषय बढ़ता पर्यावरण प्रदूषण था। भारत की ओर से इस सम्मलेन में इंदिरा गांधी ने नेतृत्व किया था। इसी सम्मेलन में (यूएनईपी) का गठन भी हुआ और प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। भारत की ओर से नेतृत्व कर रही इंदिरा गांधी ने बिगड़ती पर्यावरण की दशा और भविष्य में होने वाले उसके प्रभाव पर व्याख्यान भी दिया था।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि 44 वें विश्वपर्यावरण दिवस 5 जून 2023 पर विशेष।आओपर्यावरण की रक्षा कर धरती को स्वर्ग बनाएं - प्लास्टिक प्रदूषण को मात देने मुहिम जरूरी है।प्रकृति और पर्यावरण ब्रह्मांड को सुचारू तौर पर चलाने में अभूतपूर्व भूमिका निभाते हैं, जिससे सुरक्षित रखना परम माननीय धर्म है।

किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

नीम का पेड़

आज सुरभि का मन अच्छा नहीं लग रहा था। न तो पढ़ने-लिखने की उसकी इच्छा हो रही थी; और न ही खेलने-कूदने की। यहाँ तक उसने आज एक बार भी टीवी ऑन नहीं किया था। अपने मनपसंद गेम देखने के लिए उसने मोबाइल पर उंगलियाँ भी नहीं चलायी थी। डरी-सहमी बैठी सुरभि पर अचानक दादा जी की नजर पड़ी। उन्हें अच्छा नहीं लगा। उनका मन खटकने लगा कि आखिर बात क्या है, कि नटखट व चुलबुली सुरभि कुछ इस तरह बैठी हुई है। वे कुछ देर तक उसे निहारते रहे। अब भी वह चुप व खिन्न थी। फिर दादा जी से रहा नहीं गया। अपनी कुर्सी को पकड़ कर सुरभि के पास गया। बोले- आज सुबह से मैं तुम्हें देख रहा हूँ। तुम मुझे फ्रेश नहीं लग रही हो। क्या बात है बिटिया? मम्मी ने डाँटा क्या.. पापा ने कुछ कहा... भैया ने मारा...आखिर बात क्या है...इतनी गुमसुम क्यों हो? सुरभि अब भी चुप रही। एक शब्द नहीं बोला उसने। दादा जी फिर कहने लगे- सुरभि ! बताओ रानी, क्या बात है। तुम्हारा इस तरह चुप्पी साधना मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा है। दादा जी के बार-बार पूछने पर सुरभि कहने लगी- दादा जी! मुझे कल की घटना बहुत याद आ रही है। मुझे बहुत दुःख हो रहा है कल की घटी घटना के लिए...कहते हुए सुरभि चुप हो गयी।

कौन सी घटना रानी बिटिया! दादा जी ने अपनी कुर्सी सुरभि की ओर सरकाते हुए कहा।

वो क्या है ना..? सुरभि की ठिठकती जुबान निकली।

हाँ..हाँ..बोलो..वो क्या है? दादा जी ने पूछा।

दादा जी! कल बाड़ी के नीम के पेड़ पर चिड़िया का घोंसला है ना। उसके बच्चों को खाने के लिए एक साँप उस पर चढ़ा था। दादा जी, अगर आप और पापा जी सही वक्त पर नहीं पहुँचते तो वह साँप चिड़िया के बच्चों को खा जाता। बेचारे वे मर जाते; और फिर उसकी माँ को कितना दुःख होता। सुरभि सिसकने लगी।

नहीं.. नहीं..। रोना नहीं। दादा जी ने सुरभि को अपनी गोदी में उठा लिया। तभी दादा जी व छोटी बहन सुरभि की बातें सौरभ के कान पर पड़ी। वह भी दौड़ कर आया। बोला- दादा जी ! वह साँप बहुत बड़ा था। अच्छा हुआ कि पापा जी ने डंडे व पत्थर मार कर उसे भगा दिया। दादा जी, अच्छा होता कि इस पेड़ को कटवा देते। हर साल ऐसा कुछ न कुछ होते ही रहता है इस पेड़ पर। कई तरह की पक्षियाँ इस पर घोसला बनाते ही रहते हैं। बीट कर देते हैं। बहुत बदबू आती है। दादा जी, आप पापा जी से बोलकर इसे कटवा दीजिए ना। न रहेगा बाँस, न बजेगी बाँसुरी।÷ दादा जी बोले- तुम दोनों जो बातें कर रहो, वो सब तो ठीक है। पर इन सबके लिए पेड़ को ही कटवा देना, कोई समझदारी वाली बात नहीं हुई।

तो फिर क्या किया जाय दादा जी? सौरभ बीच में ही बोल पड़ा।

सौरभ बेटा! इस पेड़ की उपयोगिता जानते हो...महत्व समझते हो..? बड़े काम की प्राकृतिक औषधि है नीम का पेड़। दादा जी ने सौरभ की पीठ पर हाथ फेरते हुए कहा।

आखिर यह बहुत बड़ा हो गया है अब। बुढ़ा भी हो गया है। सुरभि दादा जी की तर्जनी पकड़ते हुए बोली।

सुरभि की बातें सुन कर दादा जी को हँसी आ गयी। बोले- बेटा, बूढ़ा तो मैं भी हो गया हूँ; तो क्या...?

दादा जी..! आप भी ना...कैसी बातें करते हैं? सौरभ व सुरभि मुस्कुरा दिये; और सकुचा भी गये। फिर दादा जी सौरभ व सुरभि को बाड़ी में ले जाते हुए कहने लगा- ÷बच्चों! मेरी बातें पहले ध्यान से सुनो; फिर अगर तुम्हें लगेगा कि इसे कटवा दिया जाय तो, कटवा देंगे।

हाँ..बोलिए न..दादा जी, जो आप हमें बताना चाहते हैं। बताइए ना दादा जी।÷ सौरभ व सुरभि ने एक ही स्वर में कहा।

दादा जी उस नीम के बारे में बताने लगे- बच्चों! प्रथम व महत्वपूर्ण बात तो यह है कि मैं और तुम्हारी दादी ने इसे अपनी शादी की पहली वर्षगाँठ पर लगाया था। तुम्हारी दादी आज हमारे बीच नहीं है। इस पेड़ के साथ तुम्हारी दादी की यादें जुड़ी हुई है। जब मैं भी दुनिया से चला जाऊँगा, तब तुम लोग इसे देख कर मुझे भी याद करोगे। यह पेड़ तुम सब के लिए धरोहर होगा।÷ बच्चे दादा जी की बात बड़े ध्यान से सुन रहे थे। दादा जी ने आगे

कहा- सौरभ.. सुरभि...! यह पेड़ दिखने में भी बड़ा खूबसूरत दिखता है; मस्त बढ़िया हरा-भरा। इसकी छाया घनी व शीतल है। एक और अच्छी बात बता रहा हूँ बच्चों, कि तुम्हारे पापा जी इसके छाँव तले बैठ कर पढ़ाई-लिखाई किया करते थे। अपने दोस्तों के साथ इसके नीचे खूब खेला करते थे। इस पेड़ से उसका बचपन जुड़ा हुआ है। तुम्हारी दादी जी इसकी टहनियों का दँतुवन किया करती थी।

और आप नहीं करते थे दादा जी.? सुरभि ने बीच में एक सवाल छोड़ दिया।

मैं भी कभी-कभी इसका दँतुवन किया करता था; हमेशा से बबूल का दँतुवन करने की मेरी आदत रही है, जैसे कि तुम सब जानते ही हो।÷ दादा जी ने हँसते हुए कहा।

नीम के पेड़ का और क्या उपयोग है दादा जी? सौरभ की जिज्ञासा बढ़ती गयी।

बेटा सौरभ! नीम का पेड़ नख-शिख उपयोगी होता है। इसकी जड़ से पत्तियाँ तक बड़े काम की होती है। स्वाद में पूरे नीम का पेड़ कड़ुवा होता है। इसके कड़ुवेपन में ही गुण होता है। यह एक औषधियुक्त पेड़ है। इसके आसपास की हवा शुद्ध व शीतल होती है। इससे पर्यावरण की रक्षा होती है। नीम की पत्तियों को दलहन व तिलहन जैसे अनाज में मिलाने पर अनाज कभी खराब नहीं होता। घर-आँगन में सूखी पत्तियों को जलाने से मच्छर जैसे अन्य हानिकारक कीड़े-मकोड़े सब भाग जाते हैं; मर जाते हैं। फूल भी सुंदर और सुगंधित होता है। नीम का फल निबौली कहलाता है। यह मीठा होता है। पक्षियों का यह एक मनपसंद फल होता है। इसके बीज को सुखा कर तेल निकाला जाता है। इसके खली को तेल के साथ मिलाकर खाज-खुजली व घाव-गोंदर में लगाने से बड़ी राहत मिलती है। इसके तेल को दीये जलाने के लिए भी उपयोग किया जाता है। हमारे ग्रामीण अंचल में नीम के पेड़ को देव तुल्य माना जाता है। पूजन-वंदन किया जाता है। तभी तो इसकी सूखी लकड़ियों को ईंधन के रूप में उपयोग नहीं किया जाता। इसकी लकड़ी ईमारती होती है। इससे दरवाजे, खिड़की, फर्नीचर्स आदि बनाये जाते हैं। लोकपर्व व तीज-त्यौहारों में इसकी टहनियों का उपयोग किया जाता है। सुन रहे हो नहीं जी?

हाँ..हाँ..दादा जी सुन रहे हैं। झट से दोनों बच्चों ने कहा।

एक और महत्वपूर्ण बात है बच्चों! अन्य पेड़ों की तरह नीम का पेड़ प्रकाशसंश्लेषण की प्रक्रिया पूरी करता है।÷

दादा जी! यह प्रकाशसंश्लेषण क्या है? सौरभ व सुरभि ने एक-दूसरे को देखते हुए दादा जी प्रश्न किया।

बच्चों! पेड़-पौधे अपना भोजन स्वयं बनाते हैं। इसके लिए वे अपनी जड़ के जरिए जमीन से पानी व खनीज तत्व लेकर सूर्य के प्रकाश से भोजन बनाते हैं। इस प्रक्रिया में पेड़-पौधे वायुमंडल से कॉर्बनडाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं और ऑक्सीजन गैस छोड़ते हैं। इस भोजननिर्माण में पत्तियों की विशेष भूमिका होती है। इस पूरी प्रक्रिया को ही प्रकाशसंश्लेषण क्रिया कहते हैं। इसमें पेड़-पौधों द्वारा विसर्जित ऑक्सीजन हमारी श्वसन क्रिया में उपयोगी है। बच्चों, हम सब जानते ही हैं कि आज वैश्विक महामारी कोविड-19 हमें ऑक्सीजन के लिए कितना तरसा रही है। ऑक्सीजन की कमी का मूल कारण पेड़-पौधों का कटना ही है। इसलिए आज पेड़-पौधों को काटना नहीं, लगाना बहुत जरूरी है। दादा जी ने एक लम्बी साँस छोड़ते हुए कहा- ÷अब तुम दोनों ही बताओ कि इस नीम के पेड़ को क्या किया जाय।

दादा जी की बात सुन कर सौरभ और सुरभि कुछ देर तक खामोश रहे। फिर सौरभ ने कहा- हाँ दादा जी यह नीम का पेड़ हम सब के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इसे हम नहीं कटवायेंगे।÷

हाँ..हाँ..दादा जी इसे बिल्कुल नहीं कटवायेंगे...नहीं कटवायेंगे।÷ सुरभि ने भी हामी भरी।

तो फिर ऐसा क्या किया जाय कि इस नीम के पेड़ पर घोसला बनाने वाले पक्षियों का कोई नुकसान भी न हो; और यह शान से खड़ा भी रहे। दादा जी ने प्रश्न किया। सौरभ और सुरभि सोचते ही रहे। उन्हें कुछ सूझा ही नहीं, तब दादा जी ने कहा- बच्चों! तुम दोनों अपने पापा जी से कहना कि इस पेड़ के लिए एक गोल-मजबूत दीवार का घेरा बनवा दें। इससे सब का काम बन जाएगा।÷

हाँ..हाँ..दादा जी। यह ठीक रहेगा। सौरभ व सुरभि ने मुस्कुराते हुए कहा। फिर दादा जी ने चुटकी लेते हुए कहा- ÷बच्चों! तुम दोनों भी इस नीम के पेड़ के पास कोई भी एक पेड़ लगाना, तभी तो तुम्हारे पोते-पोतियाँ उसकी छाँह के नीचे खेलेंगे; जैसे कि मेरे और तुम्हारी दादी जी के द्वारा लगाए इस नीम के पेड़ के नीचे तुम दोनों खेला करते हो। दादा जी की बात सुन कर सौरभ व सुरभि खिलखिला कर हँस पड़े।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

मोदी और राहुल का फर्क

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब विदेश दौरे पर जाते हैं तो हर देश में सैकड़ों लोगों की भीड़ उनका स्वागत करने के लिए उमड़ती है। सड़कों पर मोदी मोदी के नारे लगते हैं। वे उन देशों के प्रधानमंत्रियों, राष्ट्रपतियों के गले लगते हैं। दूसरे देशों के प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति भी कभी मोदी को रॉकस्टार तो कभी बॉस कह कर उनको खुश करते हैं। दोपक्षीय वार्ताओं के अलावा मोदी प्रवासी भारतीयों की भीड़ को संबोधित करते हैं। वहां अपनी सरकार की उपलब्धियां बताते हैं और पहले की सरकारों को नाकाम-नाकारा साबित करते हैं। वे कारोबारियों को संबोधित करते हैं और उनको भारत आने का न्योता देते हैं। भारत की कथित आर्थिक तरक्की की कहानियां सुनाते हैं और बताते हैं कि कैसे उन्होंने भारत में कारोबार करना सुगम बना दिया है। अपने पूरे दौरे में वे प्रायोजित भीड़ के दायरे से बाहर नहीं निकलते हैं। विदेशी धरती पर भी न भारतीय मीडिया को इंटरव्यू देते हैं और न विदेशी मीडिया से बात करते हैं। वे आज तक किसी भी देश में खुले कार्यक्रम में या प्रेस कांफ्रेस में शामिल नहीं हुए हैं, जहां कोई उनसे सवाल पूछ सके। इसके उलट राहुल गांधी हर देश में खुले सत्र में हिस्सा लेते हैं। बौद्धिकों के साथ संवाद करते हैं। पत्रकारों के साथ बात करते हैं। दुनिया के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में भाषण देते हैं और वहां के छात्रों के साथ सीधा संवाद करते हैं। उनके भी कई कार्यक्रम प्रायोजित होते हैं और वे भी पार्टी की ओर से जुटाए गए प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हैं। इसके बावजूद उनका कार्यक्रम सरकारी कार्यक्रम की तरह प्रयोजित नहीं होता है। अगर ऐसा होता तो अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में उनके कार्यक्रम में खालिस्तान समर्थक पहुंच कर नारेबाजी नहीं करते। उनको भाषण देने से रोकने की कोशिश नही करते, बल्कि उनके लिए भी राहुल राहुल के नारे लगते। उनके ज्यादातर कार्यक्रम स्वंयस्फूर्त होते हैं जो आज के प्रायोजित नैरेटिव निर्माण के वक्त में बहुत जोखिम का काम है।

अमेरिका में राहुल ने सैन फ्रांसिस्को में भाषण दिया। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में गए और छात्रों के साथ संवाद किया। उसके बाद वे वाशिंगटन पहुंचे तो नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों के साथ सीधी बातचीत की। इसमें राहुल ने तमाम गंभीर और जटिल मसलों पर सहज भाव से पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। कहने की जरूरत नहीं है कि अमेरिकी पत्रकार कितने निर्मम होते हैं। उन्हें अपने राष्ट्रपति से आंख मिला कर मुश्किल सवाल पूछने में भी दिक्कत नहीं होती है। इसलिए नेशनल प्रेस क्लब में राहुल का इस तरह से पत्रकारों से मिलना और खुली बातचीत करना भी एक जोखिम भरा काम था। उनके पिता और दादी ने यह काम किया था लेकिन तब वे देश के प्रधानमंत्री थे। मनमोहन सिंह ने भी बतौर प्रधानमंत्री वाशिंगटन में नेशनल प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात की थी। लंदन के अपने दो दौरों में राहुल गांधी ने कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के छात्रों को संबोधित किय। उनके साथ खुली बातचीत भी की। वे बौद्धिकों से भी मिले और उनके सवालों का जवाब भी दिया।

हरिशंकर व्यास

पर्यावरण-संरक्षण के दोहे

कटते जाते पेड़ नित,
बढ़ता जाता ताप ।
ज़हरीली सारी हवा,
कैसा यह अभिशाप ।।
द्रव ईंधन की है खपत,
बिजली जलती खूब ।
हरियाली नित रो रही,
सूख गई सब दूब ।।
यंत्रों ने दूषित किया,
मौसम और समाज ।
हमने की है मूर्खता,
हम ही भुगतें आज ।।
नगर घिर गये धुंध में,
धूमिल सारे गांव ।
धुँआ-धुँआ जीवन हुआ,
गायब सारी छांव ।।
दिखती नहिं पगडंडियाँ,
चारों ओर गुबार ।
तिमिर विहँसता नित्य ही,
रोता है उजियार ।।
जनजीवन रोने लगा,
सिसक रहा इनसान ।
हर प्राणी भयभीत है,
आफत में है जान ।।
प्रकृति बिलखती आज तो,
कारण है अविवेक ।
यदि हम चाहें निज भला,
तो करनी हो नेक ।।
आत्मचेतना से मिटे,
प्रियवर आज कलंक ।
सभी करें कुछ अब खरा,
क्या राजा ,क्या रंक ।।
फिर से अब आबाद हों,
पेड पौध हर गाँव ।
तभी मिलेगी वक्त को
,मनभावन इक छाँव ।।

प्रो.(डॉ)शरद नारायण खरे
मंडला मध्यप्रदेश

गाँव हमारा प्यारा हैं

सागर गहरा और समुद्र,का पानी सब खारा हैं।
नदियाँ इतनी सुन्दर देखों,गाँव हमारा प्यारा हैं।
सुबह सुबह जब ठण्ड हवाये,तन को छूँ जाती हैं।
मन को इतना अच्छा लगता,चिड़ियाँ चहचहाती हैं।
एक सूत्र में बंधे सभी और,प्रेम भाव से सब रहते हैं।
एक दूजे संग मिलकर सब,जीवन यापन करते हैं।
संस्कृति और सभ्यता आज,भी मेरे गाँव में जीवीत हैं।
वस्त्रों के रंग अलग और रंग,बिरंगी होली व दिवाली हैं।
शहरों में कोलाहल और,हर तरफ धुआँ ही बस धुआँ हैं।
अपने आप में वयस्त सभी,ना कोई किसी से मतलब हैं।
हर मौसम का अपने आप में,अंदाज निराला होता हैं।
जाड़ा गर्मी और बरसात हर,श्रृतु सदा सुहाना लगता हैं।
गाँव में मेरे पेड़ और पौधे,जंगल सभी सुरक्षित रहते हैं।
हम वृक्षों की पूजा करते,और वृक्षों की छाँव में रहते हैं।
गाँव हमारा कितना प्यारा,कितना सुन्दर लगता हैं।
फूलों सा हंसता मुस्काता,और प्यारा प्यारा लगता हैं।

प्रभात गौर
नेवादा जंघई
प्रयागराज
उत्तरप्रदेश

भोले शीतलता लाओ

धरा अगन-सी तपती भोले,
कुछ शीतलता ले आओ,
विनय हमारी इतनी-सी है,
मेघ से बस अब जल बरसाओ।
धरा अगन-सी .....
इन्द्र देव तो सखा तुम्हारे,
कहने की बस देर वहां,
ले आएं गर्जन कर बिजली,
और पानी बरसात यहां।
धरा अगन-सी ....
भोले से भोली-सी विनती,
करते हैं ये जन-मन सारे,
सरिता और ये ताल-तलैया,
बस जल से भर दो ये सारे।
धरा अगन-सी ....
धरा करे श्रृंगार दुल्हन-सा,
थिरके माटी का कण-कण,
भर चंदन की गगरी भोले,
कर दें बस तुझको अर्पण ।
धरा अगन-सी .....
हरियाली हो हर घर भोले,
पवन भोले की धुन में डोले,
बार-बार भोले आने से,
मुस्कानों के सब रस घोलें।
धरा अगन-सी ....

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर,
इन्दौर,मध्यप्रदेश

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

देश की बेटियां अपना मेडल गंगा में कर रही प्रवाहित,केंद्र सरकार को नहीं पड़ रहा कोई फर्क

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

महिला कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष सीमा सोनी ने कहा कि हमारे देश की बेटियां, जिन्होंने तिरंगे की आन, बान और शान के लिए इतनी मेहनत की है वही बेटियां आज जब सरकार से इंसाफ की गुहार लगा रही हैं। चार महीने से प्रदर्शन कर रही हैं तो उनकी सुनने वाला कोई क्यों नहीं है? यह देश के लिए वर्तमान समय का गंभीर प्रश्न है सरकार को चाहिए कि वे इन बेटियों को न्याय दिलाएं ताकि देश की सारी बेटियां अपने आप को सुरक्षित महसूस कर सकें। प्रेस को जारी अपने वक्तव्य में महिला कांग्रेस शहरी जिलाध्यक्ष सीमा सोनी ने आगे कहा है कि 35 दिन तक यह बेटियां राजधानी दिल्ली के दिल, जंतर मंतर पर बैठी रहीं लेकिन मोदी जी और उनके मंत्रियों ने एक बार भी वहाँ जाने या इन बेटियों से बात तक करने के बारे में नहीं सोचा।28 मई को शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही बेटियों को दिल्ली पुलिस ने मार पीटकर, खदेड़ खदेड़ कर हिरासत में लिया, और प्रधानमंत्री उस समय एक ऐसी सदन का उद्घाटन कर रहे थे जहां लोकतंत्र छोड़कर सबकुछ है बेटियों का अपराधी उस सदन में मौजूद था और देश की बेटियों को पुलिस घसीट रही थी... इससे शर्मनाक क्या ही हो सकता है। उन्होंने कहा है कि जब देश की बेटियों को सड़कों पर घसीटा जा रहा था तो मोदी जी के आईटी सेल वाले बेटियों को बदनाम करने के लिए उनकी गलत फोटोस सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे थे।एक तरफ नए संसद भवन में पीएम मोदी लोकतंत्र की महिला अस्मिता की दुहाई दे रहे थे, वहीं वहाँ से मात्र कुछ किलोमीटर दूर अमित शाह की दिल्ली पुलिस देश की मान बढ़ाने वाली बेटियों के शांतिपूर्ण आंदोलन को बूटों तले रौंद रही थी ।

महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष सीमा सोनी ने कहा कि सोचिए, जेल बीजेपी सांसद बृज भूषण को जाना था लेकिन मोदी जी ने बेटियों को जेल भेज दिया। महिलाओं के मुद्दे पर मोदी जी और उनके मंत्री बातें तो बड़ी बड़ी करते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि मोदी मंत्रिमंडल में महिला और बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी जी तो मूक दर्शक बनी बैठी हैं, क्या यह मुद्दा उनके मंत्रालय का नहीं है? 35 दिन बाद सवाल का जवाब देने सामने भी आयी तो सुप्रीम कोर्ट की आड में फिर अपने गलत फैसलों को बचाने की कोशिश की है।महंगाई, महिला सुरक्षा, बेरोज़गारी जैसे मुद्दों पर तो स्मृति जी मंत्री बनने से पहले ही ज्ञान दिया करती थी, अब तो उनकी बोलती बंद ही रहती है वहीं मोदी सरकार की एक और महिला मंत्री को आप सब ने दिल्ली की सडकों पर दौड़ लगाते देखा ही होगा, पहलवान बेटियों पर सवाल पूछा तो मिनाक्षी लेखी जी ने ऐसी स्पीड पकड़ी मानो मैराथन रेस दौड़ रही हो।महिला होते हुए भी यह देश की बेटियों के साथ खड़े नहीं रह सकते तो ऐसे मंत्री होने का क्या ही फायदा है।अपने आपको विश्वगुरु कहने वाले मोदी जी ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर भी भारत की इज्जत तारतार कर दी है।176 देशों वाली वर्ल्ड रेसलिंग फेडरेशन ने भी भारत को बर्खास्तगी का अल्टीमेटम दे दिया है। उन्होंने कहा है कि आप सब सोच लीजिये, जब देश की बहादुर बेटियों को मोदी राज में अपने मैडल गंगा नदी में प्रवाहित करने तक की नौबत आ रही है इसका मतलब साफ है कि बेटियों को न्याय दिलाने वाला कोई नहीं है। ऐसे में देश की आम बहन-बेटियों की सुनवाई कौन ही करेगा।जनता अब कह रही है कि मोदी सरकार का ये अत्याचार, अहंकार उनके सत्ता के ताबूत में आखिरी कील साबित होगा। मोदी जी, अति का अंत होकर रहता है। जनता अब आपके जुल्मों सितम से परेशान और बेहाल हो चुकी है।पूरा देश और कांग्रेस पार्टी आज मोदी जी और उनके मंत्रियों से कई सवाल पूछना चाहती है।क्या हमारी सरकार और हमारे प्रधानमंत्री इतने कमज़ोर हैं कि एक सांसद के सामने घुटने टेक दिए हैं? जिन बेटियो ने पूरे विश्व में देश का नाम रौशन किया, मैडल जीते, आज उन्ही बेटियो को सरकार दंगाई साबित करने पर क्यों तुली हुई है ?बृजभूषण शरण सिंह से अभी तक इस्तीफा क्यों नहीं माँगा गया? क्या सत्य का साथ देना न्यू इंडिया में जुर्म है ?हम सब देश की बेटियों के साथ खड़े थे, हैं और आगे भी खड़े रहेंगे। हमारी दो सबसे महत्वपूर्ण मांगें हैं जिनमे बृजभूषण सिंह इस्तीफा दें। मोदी और अमित शाह उन्हें बचाने की कोशिश ना करें।दूसरी, बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी हो और कानून के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई हो ।मोदी जी, अभी भी वक्त है बेटियों को इंसाफ दिलाईए क्योंकि अब ये जो लड़ाई है वो देश की हर बेटी की इज्जत की लड़ाई बन चुकी है।

रामगढ़ विश्व की महत्वपूर्ण धरोहर,राम वनगमन पर्यटन परिपथ देखने पूरी दुनिया आएगी छत्तीसगढ़ :संस्कृति मंत्री

» खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत के मुख्य आतिथ्य में शुरू हुआ रामगढ़ महोत्सव

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के रामगढ़ की पहचान अनेक रूपों में की जाती है। राम वनगमन पर्यटन परिपथ में शामिल रामगढ़ में विश्व की प्राचीन नाट्यशाला है। यहां रामगढ़ की पहाड़ियां महाकवि कालिदास के खंडकाव्य मेघदूत की प्रेरणा हैं। इस प्राचीन स्थल के महत्व को उल्लेखित करने और सुरम्यता का आनंद लेने यहां रामगढ़ महोत्सव मनाया जाता हैं। आषाढ़स्य प्रथमदिवसे यानी आषाढ़ माह के प्रथम दिवस प्रतिवर्ष रामगढ़ महोत्सव मनाया जाता है। इसी कड़ी में खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत के मुख्य आतिथ्य में 4 जून रविवार को रामगढ़ महोत्सव का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीजीएमएससी अध्यक्ष एवं लुण्ड्रा विधायक डॉ प्रीतम राम द्वारा की गई।

इस अवसर पर मंत्री श्री अमरजीत भगत ने कहा कि भगवान श्री राम के वनवास के दौरान उनके श्री चरण हमारे छत्तीसगढ़ में पड़े। हमारा सौभाग्य है कि यह भगवान श्री राम का ननिहाल भी है। माता कौशल्या का मायका है। चंदखुरी में उनका मंदिर बनाया गया है। मैं यहां की भूमि को प्रणाम करता हूं। रामगढ़ का महत्व धार्मिक ही नहीं, विश्व की महत्वपूर्ण धरोहर के रूप में भी है। यहां सीताबेंगरा और जोगीमारा की गुफाओं के साथ विश्व की प्राचीन नाट्यशाला भी है। यह महाकवि कालीदास की अद्भुत रचना मेघदूत की यह रचना स्थली है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल का धन्यवाद करते हुए उन्होंने कहा कि शासन द्वारा पुरानी धरोहर को संरक्षित कर स्थापित करने का काम किया जा रहा है। राम वनगमन पर्यटन पथ के विकसित होने के बाद पूरी दुनिया छत्तीसगढ़ को देखने आएगी। उन्होंने रामायण के प्रसंगों का उल्लेख किया। नदी पार करते हुए भगवान राम से केंवट राजा की भेंट और भगवान श्रीराम का छोटे भाई भरत के प्रति प्रेम का उल्लेख किया। भगवान श्री राम ने वनवास के दौरान जिस मार्ग से छत्तीसगढ़ में प्रवेश किया और समय बिताया, वह सीतामढ़ी हरचौका से शुरू होता है और सुकमा तक जाता है। भगवान राम के कदम जहां जहां पड़े, उसे पर्यटन परिपथ के रूप में विकसित किया जा रहा है।

रामगढ़ महोत्सव 2023

समापन समारोह में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

रामगढ़ में आयोजित दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव के समापन समारोह में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खाद्य एवं संस्कृति मंत्री श्री अमरजीत भगत होंगे। रामगढ़ महोत्सव में संस्कृति विभाग द्वारा दो प्रस्तुतियां भी शामिल होंगी।

5 जून 2023 को रामगढ़ महोत्सव के समापन समारोह में विद्यालयीन छात्र-छात्राओं द्वारा सुंदर प्रस्तुतियां दी जायेंगी। इसके बाद आमंत्रित कलाकारों को प्रस्तुति होगी जिसमें शास्त्रीय संगीत गायिका सुश्री भारती राजपूत, सरगुजिहा लोक गायक श्री संजय सुरिला और बांसुरी वादक श्री हेमराज प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही नृत्यधाम कला केन्द्र भिलाई, विद्यालयीन कार्यक्रम, कला विकास केन्द्र बिलासपुर और पारंपरिक गीत संगीत की प्रस्तुतियां दी जाएंगी।

अवैध खनिज उत्खनन के मामले में की गई सख्त कार्यवाही,3 आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 04 जून 2023
(घटती-घटना)।

पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सरगुजा सुनील शर्मा के निर्देशन में गत दिवस समीक्षा बैठक मे थाना प्रभारियों को अनैतिक गतिविधियों पर सख्त कार्यवाही करते हुए प्रभावी नियंत्रण करने के दिशा निर्देश दिए गए थे,इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ग्रामीण अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक भोज कुमार गुप्ता एवं पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र में अवैध खनिज उत्खनन करने वालो संदिग्धो पर पैनी नजर रखी जा रही हैं। इसी दौरान पुलिस टीम को मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति ग्राम अमेरा घुनघुटटा नदी के किनारे अवैध खनिज उत्खनन कर रहे हैं, सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए

संयुक्त पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल पर दबिश देकर 03 आरोपियों को मौके से पकड़ा गया आरोपियों से पूछताछ करने पर अपना नाम मानसाय राजवाहे आत्मज स्व. मंगलसाय राजवाड़े उम्र 52 वर्ष, कनीलाल यादव आत्मज रामसुन्दर यादव उम्र 42 वर्ष एवं राजेश राजवाड़े आत्मज देवप्रसाद उम्र 30 वर्ष तीनो साकिन पिपरखार लखनपुर का होना बताये मौके पर आरोपियों से ट्रैक्टर मे लोड किया हुआ 3 टन अवैध कोयला बरामद किया गया,आरोपियों के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त 2 मोटरसायकल, ट्रैक्टर एवं मोटर पंप जप्त किया गया हैं, आरोपियों से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर अवैध कोयला उत्खनन करना स्वीकार किया गया जो आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाए धारा 379, 34 खान एवं खनिज अधिनियम की धारा 21(1) के तहत अपराध कायम कर विधिवत कार्यवाही करते हुए आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जाता है। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी लखनपुर निरीक्षक भोज कुमार गुप्ता, सहायक उप निरीक्षक अरुण गुप्ता, अनवर अली, प्रधान आरक्षक नरेन्द्र जांगड़े, आरक्षक देवेंद्र सिंह, अमरेश दास एवं पुलिस स्टाप शामिल रहे।

महिला की हत्या के मामले में आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

2 जून की रात्रि मे मृतक उर्मिला दास खाना खाकर अपने खटिया में सो रहा था उसी समय मृतक का छोटा भाई नवीन दास लोहे की टांगिया से मृतक पर प्राणघातक हमला कर गंभीर चोट पहुंचाकर मृतक उर्मिला दास की हत्या कारित कर दिया, मामले मे जिला अस्पताल से मर्ग डायरी प्राप्त होने पश्चात मर्ग जांच पर अपराध घटित होना पाए जाने पर अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। मामले को संज्ञान मे लेकर पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग के सतत मार्गदर्शन मे पुलिस अधीक्षक सरगुजा सुनील शर्मा के निर्देशन मे आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी हेतु संयुक्त पुलिस टीम का गठन कर त्वरित कार्यवाही करने हेतु दिशा निर्देश दिए गए थे, इसी क्रम मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक शुक्ला,

नगर पुलिस अधीक्षक स्मृतिक राजनाला के नेतृत्व मे थाना प्रभारी दरिमा एवं पुलिस टीम मामले मे आरोपी का पता तलाश एवं विवेचना किया जा रहा था। पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले के आरोपी की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया जो आरोपी अपना नाम नवीन दास आत्मज स्व.बलीराम दास उम्र 36 वर्ष साकिन कंठी दरिमा का होना बताया जो आरोपी से घटना के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर हत्या कारित करने की घटना करना स्वीकार किया गया, आरोई के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जाता हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही मे थाना प्रभारी दरिमा निरीक्षक जॉन प्रदीप लकड़ा, स.उ.नि राकेश मिश्रा, बैजनाथ लकड़ा, आर. अभय चौबे, विवेक राय, संजय, राज नगर सैनिक ओमप्रकाश शामिल रहे।

पिता का शव रिश्ते में लगने वाले चाचा एवं शिक्षक के घर के सामने रखकर किया हंगामा

मौके पर पहुंची पुलिस मामला कराया शांत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 04 जून 2023
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर निवासी एक युवक अपने पिता का शव रायपुर से शव वाहन में लेकर लखनपुर पहुंचा। यहां उसने रिश्ते में लगने वाले चाचा एवं शिक्षक के घर के सामने शव वाहन खड़ा कर दिया और हंगामा करने लगा। उसने रिश्तेदार पर पिता की जमीन फर्जी तरीके से हड़पने का आरोप लगाया। उसने कहा कि जमीन हड़प लिए जाने के सदमे में मेरे पिता की मौत हुई है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची लखनपुर पुलिस ने जैसे-तैसे मामला शांत कराया।

अंबिकापुर के केनाबांध निवासी घासीराम रजक 52 वर्ष की तबीयत कुछ दिन पहले बिगड़ी तो परिजनों द्वारा उसे इलाज के लिए रायपुर ले जाया गया। रायपुर में इलाज के दौरान शनिवार की रात उसकी मौत हो गई। उसका बेटा अजय रजक शव लेकर शव वाहन में अंबिकापुर आ रहा था। रविवार की सुबह करीब 10 बजे वह लखनपुर पहुंचा। लखनपुर के वार्ड क्रमांक 7 पैलेस रोड में उसके रिश्ते में लगने वाले चाचा व शिक्षक राकेश रजक के घर के सामने शव वाहन खड़ा कर वह हंगामा करने लगा। उसने रिश्तेदार शिक्षक पर पिता की जमीन फर्जी तरीके से हड़पने व अपने नाम करने का आरोप लगाया।

पुलिस ने समझाइश देकर शांत कराया मामला

हंगामे की सूचना मिलते ही लखनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। युवक द्वारा लगाए जा रहे आरोप पर पुलिस ने कहा कि वह एक शिकायती आवेदन दे दे तो जांच हो जाएगी। इस पर युवक ने कहा कि कई आवेदन दे चुका हूं लेकिन कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई।

आनंद जायसवाल की क्रिकेट टीम कुसमी रायल ने जीत लिया फाइनल का मैच का मुकाबला,आतिशबाजी कर मनाया खिलाड़ियों ने जीत का जश्न

- संवाददाता -
कुसमी,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के छोटे से कस्बे कुसमी में चल रहे क्रिकेट लीग मैच प्रतियोगिता 2023 का फाइनल मैच जीत का खिताब आनंद जायसवाल की टीम कुसमी रॉयल्स ने अपने नाम किया,दरअसल कुसमी लीग क्रिकेट मैच प्रतियोगिता आदित्य बिरला ग्रुप हिंडाल्को कम्पनी के सौजन्य से रात्रिकालीन क्रिकेट मैच प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय युवकों से मिलकर 10 मई से हाईस्कूल मैदान में कराया जा रहा था ,इस प्रतियोगिता में 10 टीमो ने हिस्सा लिया था कुल 16 खिलाड़ियों का एक- एक टीम बनाया गया था जिसमे कुल 160 खिलाड़ियों का चयन इस प्रतियोगिता में किया गया था, इस क्रिकेट मैच में आनन्द जायसवाल की टीम कुसमी रॉयल्स,डॉ रोहित बखला की टीम रॉयल्स चैलेंजर्स कुसमी,शाबीर अली की टीम कुसमी कैपिटल,अरुण एक्का और अमित कुमार की टीम कुसमी किंग्स,मो.जफर अली एवं मो.साकिब अली की टीम कुसमी इंडियस,मो. नईमुद्दीन की टीम कुसमी सुपर किंग, मो.जावेद रहमानी की टीम कुसमी टाइटन्स,मुरारी गुप्ता की टीम कुसमी नाईट राइडर्स,राजेश्वर गुप्ता की टीम सनराइजर्स कुसमी,मो.मुजाहिद की टीम कुसमी सुपर जायंटस ने भाग लिया था,सभी 10टीमों ने इस प्रतियोगिता में अपने जोहर दिखाए जिसमे आनंद जायसवाल की टीम कुसमी रॉयल्स और अरुण एक्का अमित भगत की टीम कुसमी किंग्स ने लीग मैच में अच्छा खेल का

प्रदर्शन कर फाइनल मैच में पहुंचे,और शनिवार की रात फाइनल मैच का मुकाबला रखा गया जिसमे मुख्य अतिथि की तौर कुसमी एसडीओपी रितेश चौधरी,थाना प्रभारी सुनिल केरकेट्टा,हिंडालको से विजय मिश्रा,राजेश घोष, भूतपुर्व विधायक डॉ सोहन लाल पहुंचे जहां पर अतिथियों के द्वारा दोनो ही टीम के खिलाड़ियों से परिचय कराई गई तत्पश्चात एसडीओपी रितेश चौधरी ने टास कराई जिसमे कुसमी किंग ने टास जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया , खेल का शुभारंभ सभी खिलाड़ी अतिथि गण मैदान में खड़े होकर राष्ट्रगान गाकर की,फिर मैच आरंभ हुआ जिसमे कुसमी किंग्स ने शानदार 12 ओवरों में 112 रन का लक्ष्य कुसमी रॉयल्स टीम के सामने रखा,और फिर निक्कू भगत मुकेश यादव ने कुसमी रॉयल्स के लिए बैटिंग की शुरुवात की जिसमे कुसमी रॉयल्स की टीम के खिलाड़ियों ने चौके छक्के लगाकर अच्छे खेल का प्रदर्शन करते हुए 9 ओवर 2गेंदों में 8 विकेट से फाइनल का मुकाबला जीत लिया , जीत के बाद कुसमी रॉयल्स के खिलाड़ियों ने मैदान में नाचते झुमते आतिशबाजी करते हुए जीत की खुशियां मनाई,कुसमी क्रिकेट लीग मैच 2023 के मुकाबले में पहला स्थान कुसमी रॉयल्स रही जिसे 25 हजार ट्राफी के साथ सम्मानित किया गया, उपविजेता कुसमी किंग्स को 15 हजार ट्राफी,प्रतियोगिता तीसरा स्थान कुसमी सुपर किंग्स को 11 हजार और चतुर्थ स्थान रॉयल्स चैलेंजर को 5 हजार एक सौ रूपये से सम्मानित किया गया, वही पार्षद रोशन एक्का के द्वारा फाइनल मैच में 21 सौ रूपये मेन ऑफ द मैच रहे निक्कु भगत को सम्मानित किया गया ,वही इस प्रतियोगिता मैच में कुसमी रॉयल्स के लिए निक्कु भगत ने काफी अच्छा खेल खेला मेन ऑफ द सीरीज का खिताब भी अपने नाम किया, इस खिलाड़ी ने प्रतियोगिता मैच के दौरान के एक 12 ओवर की मैच में मात्र 43 गेंदों में सतक लगाते हुए 105 बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बने ।इस प्रतियोगिता मैच को सफल बनाने के लिए कुसमी के व्यापारियों ने काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिन्हे आयोजकर्तायो के द्वारा फाइनल मैच होने के बाद सम्मानित भी किया गया।

इमरान की मुश्किलें बढ़ीं: सैन्य अदालत में चलेगा पूर्व PM पर मुकदमा! रक्षामंत्री बोले-बस इस बात का है इंतजार

इस्लामाबाद,04 जून 2023। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मुश्किलें बढ़ती ही जा रही हैं। अब देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ नौ मई की घटनाओं में कथित संलिप्तता को लेकर सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जा सकता है। नौ मई को उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर सैन्य और सरकारी प्रतिष्ठानों पर हमला किया गया था।

ख्वाजा आसिफ बोले- इमरान के खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जा सकता है

मीडिया रिपोर्ट्स में ख्वाजा आसिफ के हवाले से यह दावा किया गया है। इनमें कहा गया है कि अगर आने वाले दिनों में नौ मई की घटनाओं में इमरान की संलिप्तता के सबूत सामने आते हैं तो पूर्व पीएम पर सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जा सकता है। इस दौरान उन्होंने यह भी साफ किया कि उन घटनाओं के संबंध में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख के खिलाफ अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं किया गया है।

राणा सनाउल्लाह ने भी दिया था संकेत

गौरतलब है कि रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की यह टिप्पणी गृहमंत्री राणा सनाउल्लाह के बयान के बाद आई है। हाल ही में राणा सनाउल्लाह ने कहा था कि इमरान खान के खिलाफ सैन्य अदालत में मुकदमा चलाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि नौ मई को हुई हिंसक घटनाओं की योजना इमरान खान ने ही बनाई थी। वे उन हमलों के शिल्पी थे।

इससे पहले, पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ ने यह कहा था कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान के खिलाफ सेना अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने के संबंध में कोई फैसला नहीं किया गया है। हालांकि उन्होंने इस संभावना से भी इनकार नहीं किया था कि नौ मई की

हिंसा के पीछे इमरान खान का मास्टरमाइंड था।

नई सैन्य अदालतों का नहीं होगा गठन

रक्षा और गृह मंत्रियों दोनों के बयानों ने अपने बयानों के जरिए यह संकेत दे दिया है कि इमरान खान और 9 मई को सैन्य प्रतिष्ठानों में तोड़फोड़ करने वाले प्रदर्शनकारियों पर सेना अधिनियम और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। कई मंत्रियों ने इस संबंध में कहा है कि इन प्रदर्शनकारियों पर मुकदमा चलाने के लिए कोई नई सैन्य अदालतें स्थापित नहीं की जाएंगी। हमलों के संदिग्धों पर विशेष स्थायी अदालतों में मुकदमा चलाया जाएगा जो पहले से ही सेना अधिनियम के तहत काम कर रहे थे।

इमरान का है यह दावा

वहीं, इमरान खान ने हिंसा में अपनी संलिप्तता से इनकार किया है। उन्होंने कहा है कि जब यह घटनाएं हुईं तो वह जेल में थे। उन्होंने कहा है कि सत्ता प्रतिष्ठान उन्हें देशद्रोह के एक मामले में 10 साल तक जेल में रखने की योजना बना रहा है।

क्या हुआ था नौ मई को?

दरअसल, 9 मई, 2023 को भ्रष्टाचार एक मामले में इमरान खान को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद देश भर में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए थे। खान को अल-कादिर ट्रस्ट मामले में भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी ने इस्लामाबाद हाईकोर्ट से गिरफ्तार किया था। अधिकारियों का आरोप है कि खान और उनकी पत्नी ने एक चैरिटेबल ट्रस्ट के जरिए एक रियल एस्टेट कारोबारी से रिश्वत के रूप में लाखों डॉलर की जमीन हासिल की।

उनकी गिरफ्तारी के बाद लाहौर, कराची और इस्लामाबाद सहित कई शहरों में बड़े पैमाने पर और हिंसक विरोध प्रदर्शन हुए। बड़ी संख्या में पीटीआई कार्यकर्ता कोर कमांडर लाहौर आवास पर घुस गए। पंजाब प्रांत में आपातकाल लागू कर दिया गया और राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पाकिस्तानी रेंजर्स को बुलाया गया। धारा 144 भी लगाई गई थी, जिसके तहत एक बिंदु पर पांच से अधिक लोग इकट्ठा नहीं हो सकते थे।

भारतीय मूल के व्यक्ति को तीन साल कैद की सजा;संपत्ति खरीदारों से धोखाधड़ी के मामले में ठहराया गया दोषी

लंदन , 04 जून 2023। ब्रिटेन में संपत्ति खरीदने के नाम पर मदद करने के नाम पर धोखाधड़ी के आरोप में भारतीय मूल के व्यक्ति को जेल की सजा सुनाई गई है। स्कॉटलैंड यार्ड ने इस बारे में जानकारी दी है। स्कॉटलैंड यार्ड ने बताया कि 64 वर्षीय जसपाल सिंह जुटला को गुरुवार को लंदन के आइलवर्थ क्राउन कोर्ट ने तीन साल कैद की सजा सुनाई है।

जानकारी के मुताबिक, संपत्ति खरीदने के लिए लोगों की मदद करने के नाम पर उसने करीब 16,000 पाउंड की धोखाधड़ी की थी। उसके शिकार लोगों में ज्यादातर भारतीय मूल के लोग हैं। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने इस बारे में बयान जारी किया है। इसमें कहा गया है कि धोखेधड़ी के इन मामलों को मई 2019 से जनवरी 2021 के बीच अंजाम दिया गया था। आरोपी ने पिछले साल अगस्त में अक्सब्रिज मजिस्ट्रेट अदालत में पहले की सुनवाई में अपना जुर्म कबूल किया था। लंदन की आइलवर्थ क्राउन अदालत ने जुट्टला को बृहस्पतिवार को धोखाधड़ी करने के जुर्म में सज़ा सुनाई।

बयान में यह भी कहा गया है कि जसपाल सिंह जुटला झूठे अभ्यावेदन द्वारा धोखाधड़ी के चार मामलों और संपत्ति बेचने के लिए अधिकृत नहीं होने के बाद भी उसे बेचने के एक मामले में सजा सुनाई गई है। इसमें बताया गया था कि उसने चार लोगों से आवास ऋण सलाहकार बनकर 15,970 पाउंड की ठगी की थी।

US में महिला कर्मचारी के यौन उत्पीड़न के आरोप में भारतीय नागरिक दोषी;कनाडा में पिता-पुत्र गिरफ्तार

न्यूयॉर्क/ टोरंटो,04 जून 2023। अमेरिका में 70 वर्षीय एक भारतीय अमेरिकी नागरिक को कई आरोपों में दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने इस बारे में एक बयान जारी कर जानकारी दी है। इसमें कहा गया है कि 70 वर्षीय भारतीय-अमेरिकी नागरिक बतौर एक मोटेल प्रबंधक काम करता था। उस पर पीड़ित से गुलामी कराने, अनैच्छिक दासता और जबरन श्रम और व्यावसायिक यौन कृत्यों संबंध में मानव तस्करी के लिए दोषी ठहराया गया है। अमेरिकी न्याय विभाग ने यह जानकारी दी।

दोषी ठहराए गए नागरिक का नाम श्रीश तिवारी है जो कानूनन अमेरिका का स्थायी निवासी हैं। वह जॉर्जिया के कार्टर्सविले में एक मोटल चलाता था। उसने पीड़ित को मोटल में हाउस क्लीनर के रूप में काम पर रखा था। उसने स्वीकार किया था कि उसने अपने पद तथा शक्ति का दुरुपयोग करते हुए व्यावसायिक यौन कामों में शामिल होने के लिए महिला किराएदार को मजबूर किया।

बयान के मुताबिक, वह जानता था कि पीड़िता बेघर थी। इसके साथ ही वह हेरोइन की लत से जूझ रही थी और अपने छोटे बच्चे की कस्टडी खो चुकी थी। आरोपी ने पीड़िता से वादा किया था कि वह उसे वेतन और रहने के लिए एक अपार्टमेंट देगा। साथ ही एक वकील के जरिए उसके बच्चे की कस्टडी हासिल करने में उसकी मदद करेगा। अमेरिकी अटॉर्नी रयान के बुकानन ने बताया कि उसने अपने वादों को पूरा करने के बजाय पीड़िता

के सामने शारीरिक संबंध बनाने का प्रस्ताव दिया था। ऐसा न करने पर उसने पीड़िता को धमकी भी दी।

कानूनी अधिकारियों ने कहा कि उसकी सजा पर 6 सितंबर को फैसला किया जाएगा। दोषी तिवारी को अधिकतम 20 साल तक की जेल की सजा हो सकती है, साथ ही 250,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। एक संघीय न्यायाधीश अमेरिकी सजा दिशानिर्देशों और अन्य वैधानिक कारकों के आधार पर किसी भी सजा का निर्धारण करेगा।

कनाडा में भारतीय मूल के पिता-पुत्र को किया गया गिरफ्तार

कनाडा में भारतीय मूल के पिता-पुत्र की जोड़ी को गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि दोनों ने कई महीनों तक कई किशोरियों का कथित तौर पर उत्पीड़न और शोषण किया था। गिरफ्तारी के बाद कैलगरी पुलिस ने इस बारे में एक बयान बी जारी किया। इसमें कहा गया है कि गुरप्रताप सिंह वालिया (56) और उनके बेटे सुमित वालिया (24) को अप्रैल में एक लापता 13 साल की लड़की को खोजने के लिए की गई जांच के बाद गिरफ्तार किया गया था।

बाद में, लड़की ने खुलासा किया था कि वह सुमित के साथ रिश्ते में थी। सुमित ने कथित तौर पर उसे सेक्स के बदले में शराब, ड्रग्स और वेप्स मुहैया कराया था। पुलिस ने यह भी बताया कि दोनों पिता-पुत्र हेडन सुविधा स्टोर के मालिक थे। जब मामले में आगे जांच की गई तो अधिकारियों को पता चला कि पिता और पुत्र कई अन्य किशोर लड़कियों को वैप्स, मारिजुआना, सिगरेट और शराब मुहैया करा रहे थे। साथ ही वे इनका यौन उत्पीड़न भी कर रहे थे। कहा जा रहा है कि ये घटनाएं दिसंबर 2022 से मई 2023 के बीच हुई हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों को एक जून को गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तारी के बाद उनके घर की तलाशी के दौरान पुलिस ने 975 ग्राम कोकीन,चाइल्ड पोर्नोग्राफी से जुड़ी चीजें, ड्रग्स,कंट्राबेंड तंबाकू, वेप्स और एक कंप्यूटर के साथ कई अन्य चीजें भी जब्त की।

तेज गति और लापरवाही के कारण पलटी मिनी बस,दो यात्रियों की मौत;आठ घायल

काबुल , 04 जून 2023। अफगानिस्तान में शनिवार को हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि, आठ लोग घायल हो गए। घटना पूर्वी अफगानिस्तान के वरदक में हुआ है।

यह है पूरा मामला

अफगानिस्तान की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस प्रवक्ता मोहम्मद यूसुफ असरार का कहना है कि वरदक के बेहसोड जिले में एक मिनी बस अचानक पलट गई थी। इस वजह से दो युवकों की मौत हो गई। जबकि, आठ लोग घायल हो गए। असरार ने आगे बताया कि लापरवाही से बस चलाने के कारण बस पलट गई थी। इस वजह से हादसा हो गया। घायलों में महिला और बच्चे भी शामिल हैं, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया है।

हादसों के जुड़े तथ्य

बता दें, अफगानिस्तान में पिछले कुछ समय से सड़क हादसे काफी बढ़ गए हैं। इनका कारण है तेज गति में लापरवाही से गाड़ी चलाना। खराब सड़क और परिवहन कानूनों की कमी सहित अन्य कारणों के कारण सड़क हादसे देश में बढ़ गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 में अफगानिस्तान में सड़क हादसों के कारण 6,033 मौतों की आशंका है। दुर्घटनाओं के मामले में अफगानिस्तान वैश्विक स्तर पर 76वें पायदान पर है।

ऐतिहासिक जीत के बाद एर्दोगन ने ली राष्ट्रपति पद की शपथ,आर्थिक संकट झेल रहे देश को उबारने की चुनौती

अंकारा,04 जून 2023। तुर्किये के लंबे समय से राष्ट्रपति रहे रेसेप तैयप एर्दोगन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ ली। वह शीघ्र नए मंत्रिमंडल की घोषणा करेंगे, जिससे यह संकेत मिलेगा कि देश में गैर रूढ़िवादी आर्थिक नीतियां जारी रहेंगी, या तुर्किये कहीं अधिक पारंपरिक नीतियों की ओर लौटेगा।

69 वर्षीय नेता एर्दोगन पर आर्थिक संकट के प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी। तुर्किये इस समय महंगाई और मुद्रा में गिरावट से जूझ रहा है। उन्होंने शनिवार को नई सरकार के मंत्री का भी खुलासा किया। उन्होंने प्रसिद्ध पूर्व बैंकर और अर्थव्यवस्था के पिछले प्रमुख मेहमत सिमसेक को वित्त और राजकोष का मंत्री बनाया।

संसद में एक समारोह में एर्दोगन ने कहा कि मैं राष्ट्रपति के रूप में देश के अस्तित्व और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए महान तुर्किये राष्ट्र और इतिहास के समक्ष अपने सम्मान और अखंडता की शपथ लेता हूं। हम सभी 85 मिलियन लोगों

को उनके राजनीतिक विचारों, मूल या संप्रदाय की परवाह किए बिना गले लगाएंगे।

शनिवार को उद्घाटन के बाद देश की राजधानी स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक शानदार कार्यक्रम में कई विदेशी नेताओं ने शिरकत की। फरवरी में 50,000 से अधिक लोगों की जान लेने वाले भयानक भूकंप के बाद आर्थिक संकट और आलोचना के बावजूद तुर्किये की जनता ने अर्दोगन सत्ता पर बैठाया। उन्होंने 28 मई को एक मजबूत विपक्षी गठबंधन के खिलाफ रन-ऑफ चुनाव जीता। अर्दोगन को 52.2 प्रतिशत वोट मिले, जबकि केमल किलिकडारोग्लू को 47.8 प्रतिशत वोट मिले।

जापान में 'मावार' तूफान से बाढ़ 10 लाख से अधिक प्रभावित

जापान में उष्णकटिबंधीय तूफान 'मावार' ने लोगों के जीवन को अस्तव्यस्त कर दिया है। भारी बारिश से देश के बड़े हिस्से में बाढ़ ला दी है। सैकड़ों लोग ट्रेनों में फंसे हुए हैं और पूर्व-पश्चिम के 7,000 घरों में बिजली गुल है। 10 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है।

भारत में हो रहे बड़े बदलाव,डिजिटल मामले में हम यूरोप से भी आगे,विदेश मंत्री का दावा

केपटाउन , 04 जून 2023। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर इन दिनों दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर हैं। शनिवार को केपटाउन में विदेश मंत्री के सम्मान में भारतीय मूल के लोगों ने एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान जयशंकर ने कहा कि अब ऐसा नहीं है कि भारत धीमी गति से बढ़ रहा है, जब बात डिजिटल की आती है तो हम इस मामले में यूरोप और कई उत्तरी अमेरिका के देशों से भी आगे हैं।

भारत में हुए बड़े बदलाव

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि अप्रवासी भारतीयों को यह समझने की जरूरत है कि बीते नौ सालों में भारत में जो बदलाव आए हैं, वह बेहद ताकतवर हैं और उनका बड़े स्तर पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि विदेश में रह रहे भारतीय भी इस बदलाव के वाहक बनें। एस.जयशंकर ब्रिक्स से जुड़े आयोजन में भाग लेने दक्षिण अफ्रीका गए हुए हैं। जहां वह ब्राजील, चीन, रूस के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे।

भारत में हुए नीतिगत सुधार

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा कि बीते नौ सालों में नीतिगत सुधारों में काफी काम हुआ है, जिससे भारतीय लोग कई सेक्टर में आत्मनिर्भर हुए हैं। जयशंकर ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत, संरक्षणवादी नहीं है कि वह खुद को बंद कर रहा है। यह ऐसा भारत है, जो दुनिया के लिए और दुनिया के साथ मिलकर निर्माण कर रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि बीते साल भारत में 86 बिलियन यूएस डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। यह अहम है कि नई पीढ़ियों को उनकी क्षमता के बारे में एहसास कराया जाए कि वह बड़ी चीजें कर सकते हैं।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के कूटनीतिक संबंधों को तीस साल गुजर चुके हैं। दोनों देशों के बीच 18 बिलियन का सालाना कारोबार होता है। दोनों देशों के संबंधों के बारे में बात करते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि जैसे ही हम स्वतंत्र हुए और हमने रंगभेद के खिलाफ संघर्ष में दक्षिण अफ्रीका का समर्थन जारी रखा तो नेल्सन मंडेला और महात्मा गांधी के प्रतीकवाद ने हमारे देशों में गहरी जड़ें जमा ली।

छह महीने बाद धरती लौटे तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री,कहा-अपनी मातृभूमि पर बेहतर लग रहा है

बीजींग,04 जून 2023। चीनी अंतरिक्ष यात्री रविवार को सुरक्षित छह महीने बाद धरती पर लौट आए हैं। शेनझोउ -15 से धरती लौटे यात्री छह महीने से अंतरिक्ष पर थे, यहां वे चीनी स्पेस स्टेशन के निर्माण मिशन पर थे। चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि फी जुनलॉन्ग, देंग क्विंगमिंग और झांग लू उत्तरी चीन के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर सुबह 6:33 बजे उतरे थे। एजेंसी ने बताया कि यात्री स्वस्थ्य थे और हमारा मानव मिशन कामयाब रहा। एजेंसी का कहना है कि 30 मई को अंतरिक्ष यात्रा पर गए यात्रियों के बाद तीनों यात्री वापस आए हैं। नए यात्री पांच महीने वहां रुकेंगे।

चीन को मिलेगी उपलब्धि

बता दें, स्पेस स्टेशन तैयार होने के बाद, चीन ऐसा पहला देश होगा, जिसके पास खुद का स्पेस स्टेशन होगा। रूस का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन कई देशों के साथ मिलकर तैयार किया गया है और 2030 तक वह सेवामुक्त भी हो जाएगा। चीन के स्पेस स्टेशन की खासियत है, उसके दो रोबोटिक बाहें, जो उपग्रहों सहित कई चीजों को एक साथ पकड़ सकते हैं।

धरती लौटकर क्या बोले यात्री

अंतरिक्ष यात्री फी ने बताया कि

हमें सौंपे गए सभी कार्यों को हमने पूरा कर लिया है। अपने देश वापस लौटकर आएं हैं, हमें इसकी खुशी है। इससे पहले फी 2005 में भी शेनझोउ-6 से अंतरिक्ष की यात्रा पर गए थे। 25 साल की तैयारियों के बाद डेंग को अंतरिक्ष पर जाने का मौका मिला था। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा सपनों को पूरा करने में विश्वास रखता हूं। मैं देश के काम आ सका, इसकी मुझे बहुत खुशी है। उन्होंने बताया कि जब मैं स्पेस स्टेशन पर मुझे काफी अच्छा लगा था। मैं कई बार खिड़की से अपने मातृभूमि को अंतरिक्ष से देखता था। झांग ने बताया कि हम अब अपने शरीर को धरती के हिसाब से ढाल लेंगे। उन्होंने बताया कि हम अब दोबारा ट्रेनिंग पर जाएंगे और भविष्य के स्पेस मिशन के लिए तैयार होंगे।

30 मई को यात्रा पर गए थे नए तीन यात्री

चीन ने 30 मई को अपने तीन यात्रियों को अंतरिक्ष यात्रा पर भेजा था। जिंग हैपेंग, झू यांग्झू और गुई हाइचाओ को अंतरिक्ष स्टेशन की परिक्रमा करने के लिए चुना गया है। शेनझोउ-16 अंतरिक्ष यान से तीनों अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। जिंग पहले चीनी यात्री हैं, जो चौथी बार अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे। जिंग ने 2008 में शेनझोउ-7, 2012 में शेनझोउ-9 और 2016 में शेनझोउ-11 वरू की कमान संभाली थी। जबकि, झू और गुई अपनी पहली यात्रा पर अंतरिक्ष मिशन पर जा रहे हैं।

जीत और हार लगे रहता है...जो हारता है वही दुगने उत्साह के साथ और जोश के साथ जीत की राह पकड़ पाता है:बीएन झा

» इंटरनेशनल रेटिंग चेस टूर्नामेंट के दूसरे दिन 2 राउंड का खेल खत्म बिहार के सौरभ शीर्ष पर

» इंटरनेशनल रेटिंग चेस टूर्नामेंट का हुआ भव्य शुभारंभ देशभर के शतरंज खिलाड़ियों में दिखा खासा उत्साह

» जिला पंचायत सीईओ एवं जीएम एसईसीएल ने किया शुभारंभ

» 13 राज्य के खिलाड़ी हो रहे शामिल,7 जून तक 9 चक्रों में चलेगी प्रतियोगिता

- रवि सिंह-
कोरिया,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

मुख्यालय बैकुंठपुर के एसईसीएल गौतम सदन में ऑल इंडिया चेस फेडरेशन एवं छत्तीसगढ़ शतरंज संघ के मार्गदर्शन में कोरिया जिला शतरंज संघ के बैनर तले अंचल के सबसे बड़े शतरंज टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ दिनांक 3 जून 2023 को संपन्न हुआ शुभारंभ अवसर पर देश भर से आए शतरंज खिलाड़ियों में खासा उत्साह देखने को मिला कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी ने मुख्य अतिथि का आसंदी संभाला वही अध्यक्षता की एसईसीएल के मुख्य महाप्रबंधक बीएन झा ने।इसके साथ ही प्रसिद्ध शतरंज ऑर्बिटर वेंकटेश एवं प्रदेश शतरंज संघ सचिव हेमंत खूंटे ने मंच पर आसंदी ग्रहण की।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम मां शारदेय के छायाचित्र के आगे अतिथियों ने दीप प्रज्वलन किया तत्पश्चात आयोजन कर्ताओं ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन कार्यक्रम अध्यक्ष राजेंद्र सिंह दद्दा ने दिया और कहा कि कोरिया जिले के लिए ऐसा आयोजन होना गर्व का विषय है जिसमें देशभर से प्रतिभागी सम्मिलित हो रहे हैं उन्होंने इस आयोजन के समस्त सूत्रधारों और कार्यकर्ताओं के सहयोग को अमूल्य योगदान कहा। कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम आयोजन के उपाध्यक्ष योगेश गुप्ता ने कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि इतना बड़ा आयोजन संभव हो सका और कोरिया जिला मेजबानी कर रहा है जिसमें शतरंज के राष्ट्रीय स्तर के करीब 250 खिलाड़ियों ने अपना पंजीयन कराया और अधिकता के कारण व्यवस्थाओं को देखते हुए 200 लोगों का पंजीयन हो सका 50 खिलाड़ियों को मायूसी हाथ लगी पहली बार ऐसा आयोजन होना और इसमें खिलाड़ियों का अधिक रुझान आने वाले समय में हमें गौरवान्वित करते हुए और बड़ा आयोजन करने की प्रेरणा दे रहा है। कार्यक्रम के प्रमुख सूत्रधार कोरिया जिला शतरंज संघ के सचिव अब्दुल शमीम ने इस आयोजन को अभूतपूर्व करार देते हुए सभी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की कार्यक्रम के प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एस के रूप ने शतरंज के उद्भव विकास और प्रसिद्धि के बारे में बताते हुए देश भर से आए खिलाड़ियों का अभिनंदन करते हुए अतिथियों का आभार प्रकट किया तत्पश्चात शतरंज प्रतियोगिता राउंड टू राउंड शुरू हुई। प्रतियोगिता में बंगाल,उड़ीसा, झारखंड, दिल्ली, मुंबई ,चेन्नई, संपूर्ण छत्तीसगढ़ प्रदेश के साथ 12 राज्यों के शतरंज खिलाड़ी अपना जौहर दिखाने पहुंचे हैं। पहले चक्र में 100 टेबल में 200 खिलाड़ी अपनी कला का प्रदर्शन कर रहे हैं उक्त प्रतियोगिता 7 जून तक 9 चक्रों में चलेगी टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों का हुजूम उमड़ पड़ा यह टूर्नामेंट एक लाख की इनामी प्रतियोगिता है। अर्हत अंक प्राप्त करने पर इंटरनेशनल रेटिंग प्राप्त होगी। उक्त जानकारी कार्यक्रम प्रवक्ता एवम मीडिया प्रमुख रूप में दी। कार्यक्रम में नगर पालिका उपाध्यक्ष आशीष यादव, वार्ड पार्षद बाजारापारा अंकित गुप्ता,आयोजन समिति अध्यक्ष राजेंद्र सिंह दद्दा, जिला शतरंज संघ अध्यक्ष दीपांकर सेन गुप्ता, अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी और शतरंज संघ सचिव अब्दुल समीम, कार्यक्रम के सूत्रधार योगेश गुप्ता, डॉ विजय जांगड़े, एस.के.रूप,आशीष गुप्ता, रूप नारायण पाण्डेय, अंजुम, जय प्रकाश गुप्ता, लक्ष्मी प्रसाद,शिवहरि, हेमा आदि का अमूल्य योगदान है।

हम सदैव प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और सामाजिक कार्यों में योगदान देते आए हैं

अपने संक्षिप्त उद्बोधन में मुख्य महाप्रबंधक एसईसीएल बीएन झा ने कहा कि जीत और हार लगे रहता है जो हारता है वही दुगने उत्साह के साथ और जोश के साथ जीत की राह पकड़ पाता है हम सदैव प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने और सामाजिक कार्यों में योगदान देते आए हैं और आगे भी किसी भी प्रकार की प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने खेलों के आयोजन के हम सहयोगी रहेंगे।

प्रतिभाओं की बिल्कुल कमी नहीं है

जिला पंचायत के सीईओ आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि कोरिया और बैकुंठपुर प्यारा सा शहर है जहां प्रतिभाओं की बिल्कुल कमी नहीं है यहां बीते सन 2000 में भी शतरंज की बड़ी प्रतियोगिता हुई थी ऐसी जानकारी मुझे हुई। उसके बाद आज के इस राष्ट्रीय स्तर पर होने वाले शतरंज टूर्नामेंट की मेजबानी कोरिया जिला कर रहा है यह बड़ी बात है। खेल में हार जीत लगा रहता है उन्होंने कहा जीतने वालों को भी बधाई और जिन्हे हार मिले उन्हें रुकना नही है अपनी गलतियों से सीख लेते हुए दुगुने उत्साह से आगे बढ़कर जीतना है।

इंटरनेशनल रेटिंग चेस टूर्नामेंट के दूसरे दिन 2 राउंड का खेल खत्म बिहार के सौरभ शीर्ष पर

बैकुंठपुर के एसईसीएल क्लब में कोरिया जिला शतरंज संघ के बैनर तले इंटरनेशनल रेटिंग चेस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है जिसमें 13 राज्यों के लगभग 200 खिलाड़ी शामिल हो रहे हैं आयोजन का शुभारंभ बीते 3 जून को हुआ और दूसरे दिन नगर पालिका अध्यक्ष नविता शिवहरे, उपाध्यक्ष आशीष यादव वार्ड पार्षद शिल्पी गुप्ता एवं एल्डरमैन विपुल शुक्ला ने कार्यक्रम में दीप प्रज्वलन किया। तत्पश्चात आयोजकों द्वारा अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शिवहरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि बैकुंठपुर शहर में ऐसा आयोजन होना गर्व का विषय है शतरंज एक बौद्धिक खेल है जो बुद्धि का पूर्णतः व्यायाम करके मन स्वस्थ रखता है आप सभी को मेरी ओर से बधाई। उपाध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि शतरंज का खेल का ऐतिहासिक टूर्नामेंट हो रहा है सभी खिलाड़ी अपना बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उद्बोधन पश्चात खेल प्रारंभ हुआ। गौरतलब है कि उक्त आयोजन के दूसरे दिन तक दो राउंड पूर्ण हो गए जिसमें बिहार के सौरभ कुमार शीर्ष पर रहे वहीं रूपेश कुमार मिश्रा छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर और सेनगुप्ता दीपांकर छत्तीसगढ़ तीसरे स्थान पर चल रहे हैं समाचार लिखे जाने तक प्रतियोगिता का तीसरा राउंड चल रहा था।

ऑक्सिजेंनेटेड ब्लड,इंटरनल एक्सरसाइज व पॉजिटिव लाइफस्टाइल...यही तो है प्राणायाम : संजय गिरि

» जेल में पांच दिवसीय योग का समापन

- संवाददाता -
सूरजपुर,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

जिले के जेल में 400 बंदियों के मानसिक तनाव दूर करने व् आगामी 21 जून को विश्व योग दिवस की पूर्व तैयारी हेतु 30 मई से 3 जून तक संचालित पांच दिवसीय योग शिविर का समापन शनिवार को किया गया। इस दौरान योग आयोग छत्तीसगढ़ शासन व युवा भारत के मुख्य योग शिक्षक संजय गिरि नें जेलर ए के शुक्ला की उपस्थिति में विश्व योग दिवस के समस्त प्रोटोकॉल के अभ्यास संगठन मन्त्र , गले कंधे कमर व् घुटनों के अभ्यास , खड़े होकर, बैठकर , पीठ - पेट के बल लेटकर किये जाने वाले आसनों के साथ मुख्य प्राणायाम व् ध्यान के अभ्यास निर्धारित समयानुकूल कराये। इस समापन अवसर पर गिरि नें समूचे बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि शरीर चेतना, मन - सभी का आधार प्राण है। बिना प्राण के जीवन असंभव है। शरीर की प्रत्येक कोशिका अपने आप में हमारा एक प्रतिरूप है अर्थात उसमें एक हमशक्ल (क्लोन) पैदा करने की क्षमता है।प्राण का तातपर्य श्वसन क्रिया से है। प्राण या ऑक्सीजन एक ही है। प्राणायाम शरीर के प्रत्येक अंग, सूक्ष्मतम अंग डीएनए तक होने वाले कार्यों को पूरी मात्रा में ऑक्सीजन देकर, शरीर के आतंरिक अंगों को व्यायाम देकर सम्पूर्ण आरोग्य देता है। ऑक्सीजेनेटेड ब्लड, इंटरनल एक्सरसाइज व पॉजिटिव लाइफस्टाइल -- यही तो है प्राणायाम।

प्राणायाम द्वारा हम मानसिक स्तर पर श्रद्धा, समर्पण, आस्था ,विश्वास एवं सकारात्मक चिंतन को जागृत कर एक स्वस्थ व चिंतामुक्त जीवन का प्रारंभ करते है।

इस अवसर पर बंदियों नें भजन प्रस्तुत कर सबका मनोरंजन किया और हर दिन योग-प्राणायाम करने का संकल्प लिया। शिविर का समापन शांतिपाठ के साथ किया गया। इस दौरान जरूरतमंद बंदियों को रोगानुसार योगाभ्यास व औषधियों की सलाह दी गयी।

एक हजार फीट की ऊंचाई से गिरे दो युवक

- संवाददाता -
मनेंद्रगढ़,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

सिद्ध बाबा पहाड़ी घूमने गए दो युवक एक हजार फीट गहरी खाई में गिर गए जिसमें छह उन्हें गंभीर चोटे आई है। एक युवक को रायपुर रेफर किया गया है। मनेंद्रगढ़ निवासी आमिर अंसारी और जाकिर खान तीन जून की शाम सिद्ध बाबा पहाड़ी घूमने गए थे।

इस दौरान देर शाम को वे पहाड़ पर बैठे थे। तभी साथी युवक ने भालू आने की बात कही जिस पर हड़बड़ाते हुए दोनों युवकों ने भागने की कोशिश की और एक हजार फीट नीचे गहरी खाई में गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां एक की हालत गंभीर होने पर उसे रायपुर रेफर किया गया है।

घटना के बाद आसपास के ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। उसके बाद अस्पताल परिसर में स्वजनों के साथ भारी संख्या में लोग इकट्ठे हो गए। अस्पताल में काफी समय तक गहमागहमी का माहौल रहा। इस दौरान स्वजनों ने तत्काल उपचार किए जाने की बात कहते हुए अस्पताल प्रबंधन के प्रति नाराजगी जताई। घायल युवकों को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया। जहां एक की हालत गंभीर होने पर उसे तत्काल रायपुर रेफर किया गया।

पहले डिबेट में खूब लड़े फिर मिलकर ठहाके लगाते हुए साथ-साथ चाय पिया वर्तमान और पूर्व विधायक ने

» जनता इन पर कैसे करे भरोसा..एक वर्तमान तो एक पूर्व विधायक

» क्या राजनीतिक दल के नेता जो दिखाते हैं वह रहता नहीं और जो रहता है वह दिखाते नहीं ?

» बड़े नेता डिबेट में झगड़ते भी हैं आरोप प्रत्यारोप लगाते भी हैं और फिर प्यार मोहब्बत से रहते हैं पर उनके समर्थक आपस में लड़ जाते हैं आखिर क्यों ?

- रवि सिंह-
कोरिया,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

बड़ी-बड़ी राजनीतिक पार्टियों के बड़े बड़े नेता एक दूसरे के सामने एक दूसरे की पार्टी की राजनितिक मंचों पर विरोधी होते हैं, एक दूसरे का विरोध वह राजनितिक के सार्वजनिक मंचों पर खूब करते हैं एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप भी खूब लगाते हैं और आमने-सामने डिबेट जैसे कार्यक्रमों में नोकझोंक भी हो जाती है पर कार्यक्रम खत्म होते और सार्वजनिक कार्यक्रम से बाहर आते ही वह आम व्यक्ति हो जाते हैं और फिर एक साथ बैठकर ठहाके भी लगाते हैं और ऐसा बताते हैं कि उनके बीच ऐसी कोई भी बात नहीं है और वहीं इन नेताओं के समर्थक आपस में लड़ जाते हैं भीड़ जाते हैं और अपराधी बन जाते हैं, चाहे वह सोशल मीडिया पर लिखकर हो या फिर आमने सामने की लड़ाई हो ऐसा लगता है कि यह समर्थक नहीं एक दूसरे के विरोधी हैं और वही इन समर्थकों को अपने नेताओं को देखकर भी यह सीख नहीं मिलती कि जिनके यह समर्थक हैं वह स्वयं आपस में किसी भी राजनीतिक दल के नेता के विरोधी नहीं है फिर हम क्यों एक दूसरे के विरोधी हो रहे हैं? आपसी भाईचारे को खत्म कर रहे हैं, कुछ ऐसा ही दृश्य कोरिया जिले के बैकुंठपुर विधानसभा में आयोजित एक डिबेट शो में देखने को मिला जब पूरे डिबेट के दौरान दो नेताओं ने आपस में खूब आरोप-प्रत्यारोप लगाया ऐसा लगा कि यह दोनों एक दूसरे पार्टी के विरोधी तो हैं ही व्यक्तिगत तौर पर भी एक दूसरे के विरोधी हैं जैसे ही कार्यक्रम खत्म हुआ वह दोनों दिग्गज नेता एक साथ बैठकर जमकर ठहाके भी लगाए और चाय भी पी जिसे देखकर ऐसा लगा कि कुछ भी ऐसा इनके बीच नहीं हुआ जिसे जनता ने देखा, जनता ने कुछ घंटे पहले कुछ देखा और कार्यक्रम खत्म होने के बाद कुछ और देखा। अब जनता या समर्थक इस कन्फ्यूजन में है कि आखिर भरोसा करें तो किस पर करें?

वर्तमान और पूर्व विधायक डिबेट के दौरान लगाते रहे एक दूसरे पर गंभीर आरोप,बाद में साथ साथ ली चाय की चुस्कियां

मनेंद्रगढ़ के वर्तमान और पूर्व विधायक ने पूरे डिबेट के दौरान एक दूसरे पर जमकर आरोप लगाए आरोप व्यक्तिगत भी लगाए गए और ऐसा लगा भी की दोनों कभी एकसाथ नजर नहीं आएंगे लेकिन कार्यक्रम समाप्त होते ही दोनों एक साथ नजर आए और दोनो ने एक साथ चाय की चुस्की भी ली। दोनों ने हंसी ठहाके भी लगाए और देखने वालों के लिए यह हतप्रभ करने वाला था। वर्तमान और पूर्व विधायक ने आपस में काफी देर चर्चा की और फिर अपने अपने रास्ते रवाना हो गए।

समर्थक डिबेट के दौरान नजर आए आक्रोशित,नेताओं के समर्थन में लगाए नारे-

वर्तमान और पूर्व विधायक ने डिबेट के दौरान एक दूसरे पर जमकर आरोप लगाए और इस दौरान समर्थक भी अक्रोशित नजर आए और उन्होंने अपने अपने नेताओं के लिए नारे भी लगाए। समर्थकों को देखकर यही लगा की जरूरत पड़ने पर वह लड़ने भिड़ने से भी परहेज नहीं करने वाले और वह हर हालात के लिए तैयार हैं लेकिन वहीं डिबेट समाप्त होते ही दोनों नेताओं को चाय की चुस्कियां लेते भी समर्थकों ने देखा।

बड़े नेताओं की तरह समर्थक भी आखिर क्यों नहीं रखते हैं अपना आचरण ?

अक्सर देखा जाता है की बड़े नेता आपस में कोई द्वेष नहीं रखते लेकिन समर्थक आपस में एक दल और दूसरे दल के बीच काफी द्वेष रखते हैं और अपने दल और नेता के लिए किसी भी स्थिति तक जाने के लिए तैयार रहते हैं। सवाल यह उठता है की आखिर समर्थक भी बड़े नेताओं की ही तरह अपना आचरण क्यों नहीं रखते हैं और क्यों नहीं वह भी आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ परस्पर एक दूसरे दल के कार्यकर्ताओं के साथ व्यवहार करते हैं।

बड़े नेताओं के चक्कर में समर्थक अपराध करने से भी नहीं करते परहेज

अक्सर देखा गया है की बड़े नेताओं के चक्कर में समर्थक अपराधी बनने से भी परहेज नहीं करते और वह परस्पर विरोधी दल के समर्थकों से लड़ने भिड़ने भी तैयार रहते हैं। समर्थक सोशल मीडिया हो या आमने सामने की ही बात अक्सर हर परिस्थिति के लिए तैयार रहते हैं जो देखा भी जाता रहा है।

बड़े नेताओं पर जनता कैसे करे विश्वास,कौन है हितैसी कैसे करें पहचान- जिस तरह मनेंद्रगढ़ के वर्तमान और पूर्व विधायक को पहले आपस में ही लड़ते और एक दूसरे पर जनता ने आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए देखा और बाद में उन्हें ही साथ बैठकर ठहाके लगाते हुए चाय की चुस्कियां लेते हुए देखा गया उसको देखकर यही कहा जा सकता है की जनता किसपर करे विश्वास। जनता कैसे तय करे की कौन उनका हितैसी है,जनता के नाम पर जनता के शोषण के नाम पर आपस में लड़ने वाले नेताओं को एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए देखकर जनता पहले तो यह तय करने लगती है की किसने उनके लिए बेहतर सोच रखी और उनकी आवाज बुलंद की बाद में जनता जब ऐसी तस्वीर देखती है तो वह भ्रम में पड़ जाती है और वह असमंजस की स्थिति में आ जाति है की किसपर वह करे विश्वास।

CMYK

राज्य सरकार की दिशाहीन आर्थिक नीति एवं प्रबंधन से राज्य के विकास पर लगी रोक : अरुण साव

- संवाददाता -
कोरबा,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा के एसईसीएल कोरबा विश्राम गृह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने प्रेस वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा सरकार के द्वारा देश में किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी । उन्होने सर्वप्रथम प्रेस वार्ता में बालासोर में हुए रेल दुर्घटना पर अपनी संवेदना जाहिर करते हुए कहा के इस तरह की दुर्घटना अत्यंत ही दुखदाई है । देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दुघटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी लेते हुए जांच के आदेश दिए है साथ ही कहा है के जल्द दोषियों को सामने लाकर उन पर सख्त से सख्त कार्यवाही की जायेगी । साव ने ओडिसा के उन नागरिकों की भी प्रशंसा की जिन्होंने इस भयानक दुर्घटना के दौरान घायल हुए लोगों को रक्त दान कर अपना कर्तव्य निभाने में अग्रसर रहे । प्रेस वार्ता में उन्होंने विगत 09 वर्ष में देश में भाजपा सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं देश के 130 करोड़ जनता के अनुरूप चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में जानकारी दी । उन्होंने कहा के देश में भाजपा सरकार आने से पूर्व देश की स्थिति किसी से छिपी नहीं है । जिस तरह से संपूर्ण देश में भ्रष्टाचार लिप्त था,अर्थव्यस्था चौपट थी,पॉलिसी पैरालिसिस की स्थिति थी, इन सबको लेकर जनता में घोर निराशा का भाव था और ऐसे समय में नरेंद्र मोदी आशा और विश्वास का केंद्र बनकर आए और प्रधानसेवक बनकर देश के 130 करोड़ जनता के लिए योजना बनाकर कार्य प्रारंभ किए । आज इन 09वर्षों बाद दुनिया भी मान रही है की 21वी सदी भारत की सदी है । जिस तरह से गांव गरीब और किसान के लिए योजना बनाकर काम हुआ जिससे आम लोगों के जीवन में परिवर्तन आया और अधोश संग्रचना में जिस तरह से काम हुआ जैसे नेशनल हाईवेज का निर्माण,एयरपोर्ट्स के निर्माण,रेलवे का तेज गति से विकाश होना शिक्षा के बड़े बड़े संस्थान का बनना, खेलो इंडिया के माध्यम से खेल का दुनिया में एक नई ऊंचाई तक पहुंचना साथ ही देश को अपना स्वयं का बनाया हुआ एक नया संसद भवन भी प्राप्त हुआ , ऐसे उपलब्धियों से भरा हुआ ये 09 वर्ष रहा है । भारतीय जनता पार्टी इन नौ सालों के

सफर को देश के हर वर्ग के बीच ले जाने का एक व्यापक जनसंपर्क अभियान 30मई से 30जून तक चलद्यने का निर्णय किया है । इस दौरान लाभार्थी सम्मेलन, प्रबुद्ध जनों से संवाद, मीडिया से संवाद तथा विकाश तीर्थ जो इन नौ सालों में विकास कार्य किए गए वह घर घर जाकर जनता के बीच इन 09साल की उपलब्धियों की जानकारी दी जायेगी । साथ ही 21जून को सभी विधानसभा क्षेत्र में योग शिविर का आयोजन किया जायेगा । ऐसे अनेक व्यापक कार्यक्रम इन एक महीने में प्रदेश के सभी विधानसभा में किया जाएगा जिसके लिए छत्तीसगढ़ को तीन क्लस्टर में बांटा गया है । इस महाजनसंपर्क अभियान के दौरान कोरबा में केंद्रीय राज्य मंत्री श्री गिरिराजसिंह का प्रवास होगा वहीं अन्य दो क्लस्टरों में श्री ओम माथुर, समीर मोहंती , केंद्रीय राज्य मंत्री फागदल सिंह परूसते एवं प्रदेश सह प्रभारी नितिन नवीन का प्रवास इस दौरान कार्यक्रमों में होना है । अरुण साव ने विकाश पर प्रदेश सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा के प्रदेश की सरकार कहती है कि वह किसानों और गरीबों की सरकार है पर वास्तव में जितने भी योजनाएं किसानों और गरीबों के लिए बनाए गए वह देश के प्रधानमंत्री की देन है उन्होंने ही ग्रामीण किसानों के उन्मूलन के लिए इन योजनाओं को लागू किया है पर वर्तमान प्रदेश की सरकार इन योजनाओं को प्रदेश में लागू करने में बाधा डाल रही है क्योंकि गांव गरीब किसान कभी कांग्रेस सरकार की प्राथमिकता में रहे ही नहीं यदि इनकी किसी ने चिंता की तो वो सिर्फ भारतीय जनता पार्टी ने की है । उन्होंने शराब बंदी पर कहा के जो सरकार गंगाजल हाथ में लेकर अपने वादों से मुकर जाएं उसे जानता खूब समझती है जो आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता से किए गए वादाखिलाफी करने का नतीजा देखने को मिलेगा । श्री साव ने आने वाले विधानसभा चुनाव पर प्रकाश डालते हुए कहा के प्रदेश में भाजपा को 11 लोकसभा के अंतर्गत तीन भागों में बांटा गया है जिन्हे भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में आगामी चुनाव के दृष्टिगत कार्य किया जाएगा । उन्होंने प्रदेश के विकास पर कहा कि आज प्रदेश के विकास में जो भी गति अवरोधक लगा वह प्रदेश सरकार की आर्थिक नीति आर्थिक प्रबंधन एवं भ्रष्टाचार के कारण है पर अब वो दिन दूर नही जब भाजपा पूर्ण बहुमत से एक बार फिर प्रदेश में वापस आकर इस रुके हुए विकास को तेज गति से ले जाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

प्रदेश में राममय वातावरण एवं जिले में बन रहे राम दरबार पर उन्होंने कहा के भगवान श्री रामचंद्र सभी के है सभी को आस्था से पूजा आराधना करने का अधिकार है पर यदि कांग्रेस की बात कहे तो कांग्रेस पार्टी की पृष्ठभूमि को भी देखने की आवश्यकता है । कांग्रेस पार्टी ने कभी भगवान राम को काल्पनिक कहा , तो कभी राम मंदिर के निर्माण पर रोड़े अटकाए । चुनाव के समय कांग्रेस के नेता जनेऊ धारण कर मंदिर मंदिर घूमे और बाद में उनकी गतिविधि क्या रही यह देश और प्रदेश की जनता बखूबी जानती है । प्रेस वार्ता के दौरान जिला अध्यक्ष राजीव सिंह,पूर्व संसदीय सचिव लखनलाल देवांगन,पूर्व महापौर जागेश लांबा, गोपाल मोदी,सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी ,कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री शिव परशुराम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 6,7,8,को

- संवाददाता -
सूरजपुर,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

रिंग रोड स्थित परशुराम धाम में नव निर्मित श्री शिव परशुराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का भव्य आयोजन 6, 7, 8, जून को होगा। जिसकी तैयारी पूर्ण कर ली गई है। गौरतलब है की सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा निर्माण कराया गया श्री शिव परशुराम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा व धर्मशाला का पूजन कार्यक्रम 6 ,7, 8 जून को होगा । जिसकी जानकारी देते हुए सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष मनोज अवस्थी एवं राम कृष्ण ओझा सहित अन्य पदाधिकारियों ने बताया कि आयोजन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है । 6 जून मंगलवार को मुख्य मार्ग स्थित राम मंदिर से प्रातः 8 बजे से कलश यात्रा परशुराम धाम पहुंचेगी जहां पूजन 11 बजे से आचार्य वरण, जप विधान प्रारंभ सायं 7 बजे जल धिवास 7 जून बुधवार को प्रातः 8 बजे से अग्निस्थापन, अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास , फलाधिवास ,मिष्ठान एवं द्रव्याधीवास ,मूर्ति स्पनम प्रसाद प्रतिष्ठा प्रतिमा नगर भ्रमण सायं बेला में शय्या धिवास सायं 8 बजे से रात्रि जागरण भजन संध्या 8 जून गुरुवार को प्रातः प्रारंभ देव पूजन, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा, पूजन रुद्राभिषेक, हवन ,पूर्णाहुति भंडारा का आयोजन होगा। आयोजन में सभी धर्म प्रेमियों को शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने व पुण्य के भागी बनने की अपील की गई है।

एक ही परिसर में दो से ज्यादा मतदान केंद्र न हो : कलेक्टर संजीव झा

- संवाददाता -
कोरबा,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन 2023-24 के तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार झा ने जिले के विभिन्न मतदान केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मतदान केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया और बिजली, पानी,शौचालय की व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ दिव्यांग मतदाताओं हेतु रैम्प बनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मतदान केंद्रों का सत्यापन करने के साथ ही ऐसे मतदान केंद्र जहाँ पर एक ही परिसर में दो से अधिक बूथ है, उन्हें नजदीक के केंद्रों में स्थानांतरित करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि एक ही परिसर में दो से अधिक बूथ न हो। मतदान केंद्रों में बहुत ज्यादा भीड़ न जुटे, इसके लिए संख्या के आधार पर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में राजीनीतिक दलों से भी आवश्यक चर्चा करने की बात कही। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक श्री उदय किरण, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज कुमार खांडे, बीईओ संजय कुमार अग्रवाल,तहसीलदार मुकेश देवांगन आदि उपस्थित थे। जिला निर्वाचन अधिकारी श्री संजीव झा के द्वारा मतदान केन्द्र निर्मला उ.मा.वि. कोसाबाड़ी, विद्युत गृह उ.मा.वि. क्रमांक-1, शा.उ.मा.वि.अंधरीकछार एवं सरस्वती उ. मा. वि. बुधवारी के मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया गया। उन्होंने मतदान केन्द्र भवन का सत्यापन किया। आगामी विधानसभा निर्वाचन को दृष्टिगत रखते हुए मतदाताओं के सुविधा हेतु मतदान केन्द्रों में शौचालय, पेयजल, बिजली, दिव्यांगों हेतु रैंप, आदि का अवलोकन किया और उपस्थित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने मतदान केन्द्रों में नियुक्त बी.एल.ओ. को निर्देशित किया गया कि उनके क्षेत्र के सभी पात्र मतदाताओं का नाम जोड़ने, संशोधन करने तथा स्थानांतरण एवं मृत्यु पश्चात् नाम काटने शत-प्रतिशत कार्यवाही करने निर्देशित किया।

आपके द्वार आयुष्मान अभियान के तहत नगर पालिक निगम क्षेत्र में 05 जून को विशेष अभियान

- संवाददाता -
कोरबा,04 जून 2023
(घटती-घटना)।

कोरबा नगर पालिक निगम में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आपके द्वार आयुष्मान अभियान चलाया जाएगा। इसके अन्तर्गत जिले के सभी शासकीय स्वास्थ्य केन्द्रो में स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सीएसओ आरएचओ, आयुष्मान आपरेटरो एवं च्वाइस सेंटरों (कामन सर्विस सेंटरो) में आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। इस क्रम में नगर पालिक निगम कोरबा में दिनांक 05 जून 2023 को विशेष अभियान चलाकर छूटे हुए परिवार के लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाया जाएगा। इसके तहत नगर पालिक निगम अंतर्गत सभी शहरी स्वास्थ्य केन्द्रो, शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो, मेडिकल कॉलेज कोरबा एवं च्वाईस सेंटरो के माध्यम से शिविर/भ्रमण कर आयुष्मान

कार्ड बनाये जायेगें। शिविर स्थल पर हितग्राहियों को लाने के लिये क्षेत्र के मितानीन को जिम्मेदारी दी गई हैं। जिले में छूटे हुए हितग्राही ऐसे है जो अब तक आयुष्मान कार्ड नही बनवाये है, वे नियत तिथि को आयुष्मान कार्ड पंजीयन अनिवार्य रूप से करवाना सुनिश्चित करें। इसके लिये हितग्राही नजदीक के मितानिन/स्वास्थ्य कार्यकर्ता अथवा च्वाईस सेंटर (कॉमन सर्विस सेंटरो) एवं जिला चिकित्सालय/ सामु.स्वा.केन्द्र/ प्राथ.स्वा.केन्द्र/उपस्वा. केन्द्रों तथा पंजीकृत निजी चिकित्सालय में आवश्यक दस्तावेज राशनकार्ड एवं अपडेटेड आधार कार्ड के साथ उपस्थित होकर आयुष्मान कार्ड निःशुल्क बनवा सकते है जिसका निशुल्क पीव्हीसी कार्ड राज्य स्तर से हितग्राही को उपलब्ध कराया जायेगा। उक्त केन्द्रो एवं च्वाईस सेंटरो में आयुष्मान कार्ड पंजीयन हेतु मना करने अथवा नगद राशि की माँग करने पर इसकी शिकायत 104 न. पर कर सकतें है। योजना से संबंधित अधिक जानकारी, समस्या निवारण अथवा शिकायत के लिये हेल्प लाईन टोल फ्री नम्बर 104 अथवा 1455 में किसी भी वक्त संपर्क किया जा सकता है.।

इसके अलावा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अथवा शासकीय एवं निजी पंजीकृत अस्पताल में उपस्थित होकर आयुष्मान मित्र से संपर्क किया जा सकता है ।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ0ग0

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों द्वारा निविदा प्रपत्र ''अ'' में जल जीवन मिशन अंतर्गत हर धर नल से जल योजना के कार्य हेतु निम्न कार्यों की निविदा आनलाईन आमंत्रित की जाती है:-

निविदा सूचना क्रमांक/दिनांक	ठेन्डर सिस्टम नम्बर	कार्य के ग्राम का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)
61/31.05.2023 II Call	136605	वि.खं. ओड़गी के ग्राम लाजित	46.47 लाख
62/31.05.2023 II Call	136606	वि.खं. भैयाथन के ग्राम सत्यनगर	256.52 लाख
63/31.05.2023 II Call	136607	वि.खं. ओड़गी के ग्राम पकनी	61.59 लाख
64/31.05.2023 II Call	136609	वि.खं. सूरजपुर के ग्राम रामपुर एवं शिवसागरपुर	81.89 लाख
65/31.05.2023 II Call	136610	वि.खं. भैयाथान के ग्राम बतरा	291.95 लाख

उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा दिनांक - 16.06.2023 तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज एवं अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वे पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in पर देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खण्ड
सूरजपुर (छ.ग.)

जी.नं.-01965/2

कार्यालय कलेक्टर सरगुजा,जिला-सरगुजा एवं पदेन उप सचिव,छ.ग.शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

::अधिसूचना::

अम्बिकापुर,दिनांक 26अप्रैल 2023

क्र0 - 12/अ-82/2021-22 चूँकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की रजपुरी जलाशय योजना के अंतर्गत डुबान क्षेत्र के छुटे हुए कृषकों का सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यक है। अतः भूमि अर्जन पुनर्वासन तथा पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है:-

:: अनुसूचि ::

भूमि का वर्णन:-
1.जिला - सरगुजा 2. तहसील - सीतापुर
3. ग्राम/नगर - रजपुरी (डुबान) 4. भूमि का क्षेत्रफल- 5.602 हेक्टेयर

खसरा नं.	रकबा	खसरा नं.	रकबा	खसरा नं.	रकबा
903	0.049	645/1	0.304	621/5	0.190
904/1646	0.251	611/1	0.202	611/2	0.138
778/6	0.125	778/1	0.101	778/2	0.189
778/3	0.154	778/4	0.024	778/5	0.101
630/2	0.559	599	0.154	584	0.093
408	0.032	601	0.060	891/6	0.219
854	0.057	891/4	0.376	900/3	0.607
249/3	0.198	1645/3	0.202	947	0.053
891/7	0.279	910	0.040	621/7	0.235
1132/2	0.040	1080/4	0.033	1553/3	0.049
1084/1	0.013	891/3	0.233	337/7	0.040
कुल खसरा 33 कुल रकबा 5.602					

2. भूमि का नक्शा(प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर के कार्यालय में किया जा सकता है।
3. उक्त भूमि के अर्जन में किसी भी व्यक्ति का विस्थापन् निहित नही है।

भू-अर्जन अधिकारी
सीतापुर

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल
के नाम से तथा आदेशानुसार
(कुन्दन कुमार)
कलेक्टर सरगुजा
एवं पदेन उपं सचिव छ.ग.शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी.नं.-01982/1

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. /ब-121/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विमला सोनी पति जगदीश सोनी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम मायापुर स्थित खसरा नंबर 106/16 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक ज्योति सोनी पति संतोष कुमार सोनी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास दान करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय हम प्राप्त है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक -26/06/2023 के पूर्व स्वयं अथवा प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय । में उपस्थित होकर अपना प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 09/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालिन पदमुद्रा से जारी।

सील तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा.प्र.क्र. /ब-121/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जगदीश सोनी पिता सूरजप्रसाद सोनी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के दवारा ग्राम मायापुर स्थित खसरा नंबर 106/7 रकबा 0.020 हे0 भूमि को अनावेदक ज्योति सोनी पति संतोष कुमार सोनी निवासी सत्तीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास दान करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र श्रीमान कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जो जांच एंव प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को, प्राप्त हूआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 26/06/2023 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

आज दिनांक 09/05/2023 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालिन पदमुद्रा से जारी।

सील तहसीलदार
अम्बिकापुर,सरगुजा

कार्यालय विशेष विवाह अधिकारी अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा,छ0ग0

फार्म- ''अ''
सार्वजनिक-सूचना

सर्व साधारण को जानकारी के लिये यह सार्वजनिक सूचना जारी किया जाता है कि आवेदक विनोद कुमार बड़ा आ0 श्री विमल बड़ा उम्र 33 वर्ष निवासी नमनाकला थाना गांधीनगर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0 एवं आवेदिका मीना राव आ0 रामेश्वर राम, उम्र 33 वर्ष निवासी देवसराकला पोस्ट रेहड़ा तहसील शंकरगढ़ जिला बलरामपुर,छ0ग0 द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-5 के अन्तर्गत अधीन अपने विवाह के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है।

प्रस्तावित विवाह के विरूद्ध आपत्ति करने के इच्छुक कोईभी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 19/06/2023 के पूर्व निम्न हस्ताक्षकरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा यह शून्य माना जावेगा।

आज दिनांक 18/05/2023 को इस न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मुद्रा सहित जारी किया गया।

सील विशेष विवाह अधिकारी
सरगुजा,अम्बिकापुर

भारत ने मार्की मुकाबले के लिए द ओवल में अभ्यास शुरू किया

लंदन,04 जून 2023। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल से पहले भारतीय टेस्ट टीम ने रविवार को द ओवल में अपना अभ्यास सत्र शुरू किया। भारत 7 से 11 जून तक बहुप्रतीक्षित डब्ल्यूटीसी फाइनल में द ओवल में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगा। बीसीसीआई ने प्रतिष्ठित स्थल पर मैदान पर दौड़ते हुए खिलाड़ियों की तस्वीर साझा की। बीसीसीआई ने एक ट्वीट में कहा, हैलो फॉम द ओवल।

बीसीसीआई ने 25 मई को अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से कहा था कि भारतीय टीम के सदस्य जैसे अक्षर पटेल, उमेश यादव, शार्दुल ठाकुर के साथ मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और अन्य सहायक स्टाफ सदस्यों ने अरुंडेल शहर के सुरम्य अरुंडेल कैसल क्रिकेट क्लब में अभ्यास शुरू कर दिया है।

29 मई को, इसने करिश्माई बल्लेबाज विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा, जयदेव उनादकट, मोहम्मद सिराज और रविचंद्रन अश्विन की तस्वीरें साझा कीं, जो अरुंडेल में सहायक स्टाफ के सदस्यों के साथ अभ्यास और

बातचीत में लगे हुए थे।

कप्तान रोहित शर्मा, इशान किशन और रिजर्व खिलाड़ी मुंबई के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 30 मई से अभ्यास सत्र में शामिल हुए। वहीं रवींद्र जडेजा, शुभमन गिल, मोहम्मद शमी, केएस भरत और अजिंक्य रहाणे अहमदाबाद में आईपीएल के फाइनल में खेलने के बाद 1 जून को टीम से जुड़े जबकि मोहम्मद शमी 2 जून को अभ्यास में शामिल हुए।

भारत, तब कोहली के नेतृत्व में, 2021 में साउथम्प्टन में रोज बाउल में केन विलियमसन की न्यूजीलैंड से आठ विकेट से खिताबी भिड़ंत हारने के बाद उद्घाटन डब्ल्यूटीसी चक्र में उपविजेता के रूप में समाप्त हुआ था।

रोहित पहली बार विदेशी धरती पर टेस्ट टीम की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं, भारत ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी दूसरी सीधी डब्ल्यूटीसी फाइनल उपस्थिति के माध्यम से एक कदम आगे जाने का लक्ष्य रखेगा, जो जून में पहली बार एक टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा।

फाइनल डब्ल्यूटीसी के दूसरे संस्करण के अंत को चिह्नित करेगा, जिसे 2019 में खेल के सबसे लंबे प्रारूप में मैचों का महत्त्व बढ़ाने के लिए पेश किया गया था। डब्ल्यूटीसी फाइनल के विजेताओं को 1.6 मिलियन डॉलर का पर्स मिलेगा जबकि हारने वाले को 800,000 डॉलर मिलेंगे।

भारतीय टीम- रोहित शर्मा (कप्तान), रविचंद्रन अश्विन, केएस भरत, शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, विराट कोहली, इशान किशन, चेतेश्वर पुजारा, अक्षर पटेल, अजिंक्य रहाणे, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, जयदेव उनादकट, उमेश यादव रिजर्व - यशस्वी जायसवाल, मुकेश कुमार, सूर्यकुमार यादव

डब्ल्यूटीसी फाइनल में करो या मरो जैसी स्थिति होगी रहाणे के लिए

भारत के मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे 18 महीने के लंबे इंतजार के बाद भारत की तरफ से अपना पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए तैयार हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सात जून से शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में उनके लिए करो या मरो जैसी स्थिति हो सकती है। टी20 प्रारूप से पांच दिवसीय प्रारूप में ढल रहे रहाणे चीजों को सरल बनाए रखना चाहते हैं और उन्हें उम्मीद होगी कि जिस शानदार टाइमिंग से उन्होंने आईपीएल में रन बनाए, वह लंदन में भी उनके साथ बनी रहेगी। रहाणे का भारत के अंतिम एकादश में जगह बनाना लगभग तय है। रहाणे और चेतेश्वर पुजारा को 2022 के शुरू में दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखला गंवाने के बाद बाहर कर दिया गया था।

पुजारा ने काउंटी क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करके पहले ही राष्ट्रीय टीम में वापसी कर दी थी। अब तक 82 टेस्ट मैच खेल चुके रहाणे को राष्ट्रीय टीम में वापसी के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। उन्होंने रणजी ट्रॉफी और हाल में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करके राष्ट्रीय टीम में वापसी की। लेकिन यदि श्रेयस अय्यर चोटिल नहीं होते तो फिर रहाणे के लिए वापसी करना मुश्किल होता। अय्यर मध्यक्रम में खुद को साबित कर चुके हैं और ऐसे में रहाणे जब ओवल में क्रीज पर उतरेंगे तो उनके लिए करो या मरो जैसी स्थिति होगी। रहाणे को आगे की श्रृंखलाओं के लिए टीम में अपना स्थान पक्का करने के लिए हर हाल में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

ग्रां प्री बैडमिंटन लीग की टीम नीलामी 10 जून और खिलाड़ियों की नीलामी 22 जुलाई को

बेंगलुरु ,04 जून 2023। ग्रां प्री बैडमिंटन लीग (जीपीबीएल) के दूसरे सत्र की नीलामी 10 जून को करायी जायेगी और इसमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बेंगलुरु सहित 10 टीम बोली लगायेंगी।

लीग ने टीम और खिलाड़ियों की नीलामी की योजना की जानकारी दी। टूर्नामेंट में 25 देशों के खिलाड़ियों हिस्सा लेंगे।

आगामी सत्र के बारे में बात करते हुए लीग के आयुक्त प्रशांत रेड्डी ने कहा, लीग का उद्देश्य अपनी पहुंच को बढ़ाना है और जीपीबीएल के दूसरे सत्र में कुल 10 टीमें हिस्सा लेंगी जिनकी संख्या पहले सत्र में आठ थी। खिलाड़ियों के उत्साह और दो नयी टीमों के जुड़ने से हमें एक और सत्र के सफल आयोजन का भरोसा है। लीग का उद्देश्य घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रतिभाओं को मंच मुहैया कराना है।

नीलामी में बेंगलुरु, चेन्नई, हैदराबाद, केरल,मुंबई, पुणे, अहमदाबाद, दिल्ली, लखनऊ और ओड़िशा की टीमें बोली लगायेंगी। खिलाड़ियों की नीलामी 22 जुलाई को होगी। प्रत्येक टीम के लिए खिलाड़ियों को खरीदने के लिए 30 लाख रूपये मिलेंगे। लीग का आयोजन अगस्त में बेंगलुरु में किया जायेगा।

एम्बाप्पे ने फ्रांसीसी लीग में रिकॉर्ड पांचवी बार जीता गोल्डन बूट

पेरिस,04 जून 2023। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के स्ट्राइकर काइलियन एम्बाप्पे ने फ्रांसीसी फुटबॉल लीग में अपना दबदबा कायम रखते हुए रिकॉर्ड पांचवी बार गोल्डन बूट (प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाला पुरस्कार) हासिल किया। पीएसजी की टीम इस मैच में क्लेरमोंट से 3-2 से हार गई लेकिन एम्बाप्पे ने इसमें गोल दागा। इससे एम्बाप्पे ने 29 गोल के साथ फ्रांसीसी लीग में अपने अभियान का अंत किया। यह पांचवा अवसर है जबकि उन्होंने लीग में सर्वाधिक गोल किए। एम्बाप्पे ने इससे फ्रांस के जीन पियरे पापिन और अर्जेंटीना के स्ट्राइकर कार्लोस बियांची और डेलियो ओनिस के रिकॉर्ड की बराबरी की। पीएसजी पहले ही खिताब अपने नाम सुरक्षित कर चुका था। उसने और दूसरे स्थान की टीम लेंस ने चैंपियंस लीग के अगले सत्र के ग्रुप चरण के लिए क्वालीफाई किया।

महिला जूनियर एशिया कप में मलेशिया के खिलाफ जीत का क्रम जारी रखने उतरेगा भारत

काकामीगाहारा ,04 जून 2023। शानदार शुरुआत के बाद आत्मविश्वास से भरी भारतीय महिला हॉकी टीम को जूनियर एशिया कप में मलेशिया के खिलाफ सोमवार को यहां होने पूल ए के अपने दूसरे मैच में आत्ममुग्धता से बचना होगा। भारतीय टीम ने अपने पहले मैच में उज़्बेकिस्तान को 22-0 से करारी शिकस्त देकर बेहतरीन शुरुआत की। उज्बेकिस्तान के खिलाफ इस मैच में भारत ने खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। उसके कम से कम आठ खिलाड़ियों ने गोल किए। इन खिलाड़ियों में वैष्णवी विट्ठल फाल्के, मुमताज खान, अन्नू, सुनलिता टोप्पो, मंजू चोरसिया, दीपिका सोरेंग, दीपिका और नीलम शामिल हैं। भारत सोमवार को मलेशिया के खिलाफ इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने की कोशिश करेगा। भारतीय कप्तान प्रीति ने कहा कि टीम टूर्नामेंट के आगामी मैचों में जीत की लय बरकरार रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

उन्होंने कहा, हमने टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करके मजबूत नींव रखी है और हमारा लक्ष्य मलेशिया के खिलाफ भी इसी प्रतिबद्धता के साथ खेलना है। मलेशिया ने भी अपने पहले मैच में चीनी ताइपे को 7-0 से पराजित करके अच्छी शुरुआत की और उसकी टीम भारत की कड़ी चुनौती से पार पाने के लिए तैयार होगी। इन दोनों टीमों के बीच 2015 में महिला जूनियर एशिया कप के दौरान मुकाबला हुआ था जिसमें भारतीय टीम 9-1 से जीत दर्ज की थी। दोनों टीम के मजबूत पक्षों को देखते हुए भारतीय टीम इस मैच में जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। भारत को मलेशिया के बाद मंगलवार को कोरिया का सामना करना है जबकि वह पूल चरण का अपना अंतिम मैच आठ जून को चीनी ताइपे से खेलेगा।

घुटने की चोट के कारण रवि दहिया बिश्केक रैंकिंग सीरीज से हटे

बिश्केक,04 जून 2023। ओलंपिक रजत पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया रविवार को यहां अभ्यास के दौरान घुटने में चोट लगने के कारण बिश्केक रैंकिंग सीरीज कुश्ती प्रतियोगिता से हट गये।

दहिया को 61 किग्रा भार वर्ग के क्वालिफिके शन राउंड में किर्गिस्तान के ताइरबेक जुमाशबेक उलु से भिड़ना था।पिछले साल बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में 57 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतने के बाद दहिया पहली बार किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे थे।भारत के सहयोगी स्टाफ के एक सदस्य ने कहा, उनका (दहिया) घुटना चोटिल हो गया है।

इस बीच इसी भार वर्ग में पंकज ने जॉर्जिया के जियोर्गी गोनियाशविली पर 8-2 से पराजित करके क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना हमवतन अमन सहरावत से होगा।

भारत के एक अन्य पहलवान मुलायम यादव ने भी 70 किग्रा भार वर्ग के क्वालिफिके शन राउंड में जीत दर्ज की। उन्होंने कजाकिस्तान के दोझान असेटोव को आसानी से 9-4 से हराया। भारत ने अभी तक इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते हैं। शनिवार को महिला पहलवानों में तीन पदक जीते जबकि एक पदक ग्रीको रोमन के पहले मनजीत ने जीता।

अपने खेल में रोहित की शांतचितता जोड़ना चाहते हैं ग्रीन

बेकेनहैम (ब्रिटेन) ,04 जून 2023। ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन को उम्मीद है कि इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस की तरफ से खेलते हुए रोहित शर्मा के साथ काफी समय बिताने के बाद वह अपने खेल में भारतीय कप्तान जैसी शांतचितता को जोड़ने में सफल रहेंगे।

ग्रीन ने आईपीएल में 452 रन बनाने के अलावा छह विकेट भी लिए तथा मुंबई को प्लेऑफ तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

ग्रीन ने सात जून से भारत के खिलाफ ओवल में शुरू होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल से पूर्व आईसीसी से कहा, उन्होंने (रोहित) मैदान पर जो शांतचितता दिखाई उसकी छाप स्पष्ट नजर आ रही थी। उन्होंने कहा, वह लंबे समय से खेल रहे हैं और 10 वर्षों से ऐसा कर रहे हैं। उनके साथ मैदान पर समय बिताना और बात करना शानदार रहा।

ग्रीन ने कहा, मेरी भूमिका आक्रामक होकर खेलने का प्रयास करना था और ऐसे में उन्होंने इसको लेकर तरीके दिखाए फिर चाहे वह स्पिनरों या तेज गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक बल्लेबाजी करनी हो या फिर क्षेत्ररक्षण करते समय गेंदबाजी में बदलाव करना हो।

आईपीएल में व्यस्त होने के कारण ग्रीन देर से ऑस्ट्रेलियाई टीम से जुड़े और उन्होंने गुरुवार को पहली बार अभ्यास सत्र में भाग लिया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियों में जुटे ग्रीन का मानना है कि बेहतरीन फॉर्म में चल रहे विराट कोहली उनकी टीम के लिए सबसे बड़ा खतरा होंगे।

उन्होंने कहा, विराट कोहली। वह एक ऐसा खिलाड़ी है जो कि बड़े मैचों में हमेशा अच्छा प्रदर्शन करने की कोशिश करता है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल बेहद महत्वपूर्ण है और मैं इसमें खेलने के लिए उत्साहित हूं।

ग्रीन को लगता है कि उन्हें टी-20 प्रारूप से टेस्ट प्रारूप में ढलने में किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी। उन्होंने कहा, जब आप मैदान पर होते हैं तो टेस्ट क्रिकेट जैसा कुछ नहीं होता। मुझे लगता है कि सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी वही है जो इस तरह की परिस्थितियों से सामंजस्य बिठा सके।

आईपीएल ने खिलाड़ियों के समय पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एकाधिकार खत्म कियाः कमिंस

बेकेनहैम (ब्रिटेन) ,04 जून 2023। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का मानना है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने खिलाड़ियों के समय पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के एकाधिकार को खत्म कर दिया है और उन्होंने कहा कि भविष्य में खिलाड़ियों को फ्रेंचाइजी क्रिकेट पर राष्ट्रीय टीम को महत्व देने के लिए मनाना चुनौती होगा।

कमिंस ने कहा कि आईपीएल ने एक दशक पहले क्रिकेट का परिदृश्य बदल दिया था और ऐसे में वह ट्रेंट बोल्ट के न्यूजीलैंड क्रिकेट के अनुबंध को ठुकरा कर विश्व भर की टी20 लीग में खेलने के फैसले से सहमत दिखे।

भारत के खिलाफ सात जून से ओवल में होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल से पहले कमिंस ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा,पिछले कुछ समय से लग रहा था कि ऐसा होने जा रहा है और अब ऐसा हो रहा है।

उन्होंने कहा, खिलाड़ियों के समय पर अब पहले की तरह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का एकाधिकार नहीं रहा। आईपीएल ने एक दशक पहले इसमें बदलाव कर दिया था, लेकिन अब अधिक से अधिक खिलाड़ी इसमें शामिल हो रहे हैं और इसलिए मेरा मानना है कि हमें इसको लेकर सक्रिय होना होगा। कमिंस चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी किसी भी अन्य चीज पर राष्ट्रीय टीम को प्राथमिकता दें लेकिन उन्होंने कहा कि मोटी धनराशि वाले फ्रेंचाइजी आधारित लीग के मौजूदा समय में ऐसा करना चुनौतीपूर्ण होगा।

कमल हासन को विलेन के रोल के लिए मिलेंगे 150 करोड़?

प्रभास और दीपिका पादुकोण स्टारर प्रोजेक्ट के 2023 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. हाल ही में यह बताया जा रहा है कि मेकर्स प्रोजेक्ट के में नेगेटिव रोल के लिए एक्टर कमल हासन के साथ बातचीत कर रहे हैं. यह भी कहा गया कि निर्माता अश्विनी दत्त ने प्रोजेक्ट के में विलेन के लिए 150 करोड़ रुपये के ऑफर के साथ कमल हासन से संपर्क किया था.

हालांकि अभी तक कमल हासन ने प्रोजेक्ट के के लिए साइन नहीं किए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, 150 करोड़ के ऑफर वाली खबरों में कोई सच्चाई नहीं है.

एक सूत्र का कहना है,कमल सर के साथ बातचीत शुरू की गई है. उन्होंने अभी तक कुछ भी कन्फर्म नहीं किया है. उन्होंने ऑफर स्वीकार किया है या नहीं, इस बारे में पुख्ता जानकारी हासिल करने के लिए हमें एक या दो हफ्ते का समय लगेगा.

प्रोजेक्ट के कास्ट की अगर बात करें तो फिल्म में प्रभास, दीपिका पादुकोण, अमिताभ बच्चन और दिशा पटानी हैं. मार्च में हैदराबाद में एक एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान अमिताभ बच्चन को चोट भी लग गई थी. उन्होंने एक ब्रेक लिया और फिर से शूटिंग शुरू कर दी. बिग बी ने अपने ब्लॉग पोस्ट में अपनी चोट के बारे में खुलासा किया था.

वहीं इस साल फरवरी में, निर्माताओं ने फिल्म एक नया पोस्टर साझा किया और रिलीज़ की तारीख का खुलासा किया था. दीपिका पादुकोण ने भी अपने इंस्टाग्राम पर पोस्टर शेयर किया और कैप्शन में लिखा, 12.1.2024 सप्रोजेक्ट के हैप्पी महाशिवरात्रि! इसे लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं. साथ ही इस फिल्म की लगभग 70 पर्सेंट शूटिंग पूरी हो चुकी है. निर्माता अश्विनी दत्त ने एक इंटरव्यू के जरिए बताया था ये फिल्म हेवी ग्राफिक्स फिल्म होगी, पिछले 5 महीने से इसके ग्राफिक्स पर काम चल रहा है, जो अगले साल पूरा होगा.

एक्ट्रेस उदिता गोस्वामी बनी डीजे, वीडियो देख फैंस को लगा शॉक

इमरान हाशमी के साथ फिल्म अक्सर में रोमांस करने वाली एक्ट्रेस उदिता गोस्वामी आपको याद हैं...? उदिता बॉलीवुड की एक बेहद बोल्ड एक्ट्रेस रही हैं. उन्होंने जॉन अब्राहम के साथ फिल्म पाप से डेब्यू किया था. जॉन और इमरान हाशमी के साथ उदिता ने काफी बोल्ड सीन्स दिए थे. हालांकि, एक्ट्रेस का करियर जल्दी ही ठंडा पड़ गया और आज वो बॉलीवुड से बिल्कुल गायब हैं. पर आपको जानकर हैरानी होगी कि उदिता अब डीजे बन गई हैं. सोशल मीडिया पर उनके कुछ वीडियो वायरल हो रहे हैं.

उदिता गोस्वामी लंबे वक्त से ग्लैमर की दुनिया से गायब हैं. भले ही उदिता की शुरुआती फिल्में हिट रही हों लेकिन बाद में उन्हें बॉलीवुड में कोई खास काम नहीं मिल पाया था. ऐसे में एक्ट्रेस ने शादी के बाद एक्टिंग छोड़ दी थी. वो 2 बच्चों की मां हैं और 40 की उम्र में भी काफी ग्लैमरस दिखती हैं. उदिता एक्टिंग छोड़ डीजे बनकर लोगों को अपनी धुनों पर नचा रही हैं.

उदिता गोस्वामी अब सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. हाल में एक्ट्रेस का एक वीडियो इंस्टा पर वायरल है. इस वीडियो में उदिता डीजे बनकर म्यूजिक एंजॉय करती नजर आ रही हैं. वीडियो शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा- जब मैं म्यूजिक प्ले करती हूं तो सबसे ज्यादा खुश होती हूं. ये मैंने पहले क्यों नहीं किया... वीडियो पर फैंस भी जमकर प्यार लुटा रहे हैं. उदिता पर फिल्माया गया गाना मन की लगन... आज भी लोगों का फेवरेट है. उन्होंने अगर तुम मिल जाओ... गाने में इमरान हाशमी के साथ किसिंग सीन देकर सनसनी मचा दी थी. फैंस उनके डीजे वाले अवतार को भी पसंद कर रहे हैं. उदिता खुद को देश की पहली सेलिब्रिटी बताती हैं. उन्होंने बताया कि वो प्रोफेशनल डीजे हैं और पार्टीज में म्यूजिक प्ले करना पसंद करती हैं.

बता दें कि उदिता गोस्वामी ने 19 साल की उम्र में बॉलीवुड में एक्टिंग शुरू की थी. एक्ट्रेस ने इतनी कम उम्र में ही जॉन अब्राहम के साथ पाप जैसी बोल्ड फिल्म में काम किया था. इस फिल्म में उदिता के इंटिमेट सीन काफी चर्चा में रहे थे.एक्ट्रेस फिल्म अक्सर में इमरान हाशमी और डीनो मोरिया के साथ नजर आई थीं. चंद फिल्मों के बाद ही उदिता ने बॉलीवुड छोड़ दिया था.

राघव जुयाल ने एक्शन थ्रिलर फिल्म युद्धा के लिए कसी कमर,ले रहे बॉक्सिंग का प्रशिक्षण

एक्टर-डांसर राघव जुयाल अगली बार सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ एक्शन थ्रिलर फिल्म युद्ध में नजर आएंगे। इस फिल्म में स्टंट करने के लिए उन्होंने कड़ी ट्रेनिंग ली।

एक्टर के करीबी सूत्रों का कहना है कि उन्होंने इस एक्सेल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन में हाई ऑक्टेन स्टंट करने के लिए कड़ी बॉक्सिंग की ट्रेनिंग ली, जो एक पूरी तरह से एक्शन फिल्म है। इस शैली में एक्टर की पहली फिल्म है।

इस बारे में बात करते हुए राघव ने कहा, मैंने पहले भी बॉक्सिंग सीखी है, लेकिन उसके बाद एक ब्रेक लिया। हालांकि, जब फिल्म मेरे पास आई, तो मैंने अपना प्रशिक्षण फिर से शुरू कर दिया। यह फिल्म के लिए काम आया। युद्ध एक अद्भुत एक्शन फिल्म है और इस स्किल सेट ने मेर किरदार की तैयारी में इजाफा किया।

राघव जुयाल हाल ही में रिलीज हुई सलमान खान और पूजा हेगड़े अभिनीत किसी का भाई किसी का जान में नजर आए थे, जिसमें साउथ स्टार वेंकटेश, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, भूमिका चावला भी शामिल हैं।

थम जाएंगे 108 और 102 एंबुलेंस के पहिए

» कर्मचारी काम बंद कर करेंगे प्रदर्शन

» 9 जून को बढ़ेगी मरीजों और प्रसूताओं की परेशानी

रायपुर,04 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में 9 जून को 108 और 102 की एंबुलेंस सेवाएं ठप पड़ सकती है। बता दें कि आपातकाल के दौरान मरीजों को अस्पताल पहुंचाने वाली संजीवनी एक्सप्रेस और महिलाओं को डिलीवरी के लिए नजदीक अस्पताल पहुंचाने वाले महतारी एक्सप्रेस के कर्मचारियों ने हड़ताल की चेतावनी दी है।

कर्मचारी अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर 9 जून से काम बंद कर सकते हैं। कर्मचारियों का कहना है कि बीते दो महीनों से उन्हे वेतन नहीं मिला है। जिसके कारण उन्हें परिवार के भरण-पोषण नहीं हो पा रहा है। उन्होंने बताया कि वेतन को लेकर हमेशा ही उन्हें समस्या होती है। प्रदेश में संजीवनी एक्सप्रेस का संचालन जय अंबे कंपनी कर रही है वहीं जीवीके कंपनी के पास महतारी एक्सप्रेस के संचालन का ठेका है। बता दें कि दोनों ही जगह अनियमितताओं के कारण कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

छत्तीसगढ़ संजीवनी 108 और 102 एंबुलेंस कर्मचारी कल्याण संघ के सचिव विकास साहू ने बताया कि इससे पहले तीन दिनों तक उन्होंने काली पट्टी लगाकर प्रदर्शन किया और दो जून को नवा रायपुर के तूता में प्रदर्शन भी कुछ साथियों के साथ किया था। मगर कंपनी का रवैया जस का तस है। इसलिए अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर नौ जून को संजीवनी एक्सप्रेस और महतारी एक्सप्रेस के सभी कर्मचारी काम बंद कर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इस दौरान अगर कोई अनहोनी होती है तो इसकी जिम्मेदारी ठेका कंपनी और सरकार होगी।

यह है कर्मचारियों की सात सूत्रीय मांगें

संजीवनी 108 और 102 महतारी एक्सप्रेस कर्मचारियों को प्रतिमाह 10 तारीख तक अनिवार्य रूप से वेतन का भुगतान किया जाए।
दो माह का वेतन भुगतान 10 जून तक किया जाए।
वर्ष 2018 से रूकी वार्षिक वेतन वृद्धि का लाभ जून माह के वेतन में एक साथ दिया जाए।
कर्मचारियों को 60 साल तक नौकरी की सुरक्षा गारंटी दी जाए।
एंबुलेंस कर्मचारियों से आठ घंटे काम लिया जाए और अतिरिक्त कार्य का ओवरटाइम दिया जाए।
एंबुलेंस को ठेका प्रथा से मुक्त किया जाए।

वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ छत्तीसगढ़ का राष्ट्रीय रामायण महोत्सव

रायपुर,04 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में आयोजित राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के लिए छत्तीसगढ़ के संस्कृति विभाग का नाम गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हो गया है। राज्य की संस्कृति विभाग की ओर से आयोजित इस महोत्सव में लगातार 765 मिनट तक अरण्य कांड पर प्रस्तुति के लिए गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में छत्तीसगढ़ का नाम दर्ज किया गया है।

छत्तीसगढ़ ने मोस्ट स्टेज आर्टिस्ट परफार्मिंग ऑन अरण्य कांड का रिकॉर्ड बनाया। इस महोत्सव में 375 कलाकार, 17 दल, 13 राज्य और 2 अंतर्राष्ट्रीय देश की अरण्य कांड पर 765 मिनट की प्रस्तुति ने यह विश्व रिकॉर्ड बनाया है। बता दें कि सबसे ज्यादा कलाकार और सबसे देर तक चलने वाले अरण्य कांड पर कार्यक्रम के लिए यह पुरुस्कार मिला है।

वहीं इस महोत्सव में रायगढ़ जिला प्रशासन ने भी रिकॉर्ड अपने नाम किया। यहां 10 हजार से अधिक लोगों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया। बता दें कि राष्ट्रीय रामायण महोत्सव के समापन अवसर पर विजेता रामायण मंडलियों की घोषणा भी की गई। पुरुस्कार जितने वाली रामायण मंडलियों को सीएम भूपेश बघेल ने सम्मानित किया। कर्नाटक को पहला इनाम 5 लाख रुपए, असम की रामायण मंडली को दूसरा पुरस्कार 3 लाख रुपए और तीसरा पुरस्कारा झारखंड को 2 लाख रुपए देकर सम्मानित किया गया।

होमगार्ड जवानों के मानदेय में रैंक वाइज बृद्धि का आदेश जारी

» मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भरोसे के बजट में की थी मानदेय बढ़ाने की घोषणा

» न्यूनतम 6 हजार 300 रूपए से लेकर अधिकतम 6 हजार 420 रूपए तक मानदेय में हुई वृद्धि

» होमगार्ड जवानों के मानदेय में हुई रैंक वाइज वृद्धि

रायपुर,04 जून 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भरोसे का बजट 2023-24 में छत्तीसगढ़ के होमगार्ड के जवानों की रैंक अनुसार विधानसभा में मानदेय बढ़ाने की घोषणा की थी। इस संबंध में छत्तीसगढ़ शासन के गृह मंत्रालय द्वारा आदेश भी जारी कर दिया गया है। होमगार्ड के मानदेय में रैंक के अनुसार न्यूनतम राशि 6 हजार 300 रूपए से अधिकतम 6 हजार 420 रूपए प्रतिमाह की वृद्धि हुई है। यह वृद्धि 1 अप्रेल 2023 से मिलने वाले मानदेय पर लागू होगी।

होमगार्ड विभाग में सेवा देने वाले सैनिकों का मानदेय पहले 13 हजार 200/- प्रतिमाह था जिसमें 6 हजार 300/- की वृद्धि के साथ 19 हजार 500/- की राशि मिलेगी। इसी तरह से लान्स नायक के मानदेय 13 हजार 350 रूपए में 6 हजार 315 रूपए की वृद्धि के साथ 19 हजार 665 रूपए, नायक के मानदेय 13 हजार 500 में 6 हजार 330 रूपए वृद्धि के साथ 19 हजार 830 रूपए , हवलदार के मानदेय 13 हजार 650 रूपए में 6 हजार 345 रूपए की वृद्धि के साथ 19 हजार 995 रूपए , कंपनी हवलदार मेजर के मानदेय 13 हजार 800 रूपए में 6 हजार 360 रूपए की वृद्धि के साथ 20 हजार 160 रूपए , कंपनी क्वाटर मास्टर के मानदेय 13 हजार 800 रूपए में 6 हजार 375 रूपए की वृद्धि के साथ 20 हजार 175 रूपए, स्वयंसेवी प्लाटून कमाण्डर के मानदेय 14 हजार 250 रूपए में 6 हजार 390 रुपए की वृद्धि के साथ 20 हजार 640 रूपए ,स्वयंसेवी कंपनी कमांडर के मानदेय 14 हजार 700 रूपए में 6 हजार 420 रूपए की वृद्धि के साथ 21 हजार 120 रूपए की राशि प्रतिमाह मिलेगी ।

मुख्यमंत्री ने कबीर जयंती की दी बधाई

रायपुर,04 जून 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 4 जून, संत कबीर की जयंती के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई दी है। अपने बधाई संदेश में श्री बघेल ने कहा कि संत कबीर का जीवन दर्शन सदैव प्रासंगिक है। संत कबीर ने दोहों के माध्यम से प्रेम, सद्भावना और सामाजिक समानता का संदेश दिया। उन्होंने समाज में फैले आडंबर और जात-पात का सख्त विरोध किया। दोहों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक कुरीतियों पर भी कठोर प्रहार किया और लोगों को सत्य, अहिंसा, दया, करूणा और परोपकार जैसे मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। छत्तीसगढ़ में भी संत कबीर के जीवनदर्शन का जनजीवन पर गहरा प्रभाव है। श्री बघेल ने कहा है संत कबीर के उपदेश हमें सत्य का रास्ता दिखाते रहेंगे।

सरकार की वादाखिलाफी से अनियमित कर्मचारियों में आक्रोश

» 11 जून से राजधानी में देंगे सपरिवार धरना

रायपुर,04 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ अनियमित कर्मचारी मोर्चा अपनी 5 सूत्रीय मांग को लेकर 11 जून से राजधानी में सपरिवार धरना-प्रदर्शन के अलावा मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे।

इसके बाद द्वितीय चरण में 15 जून के बाद वॉल पेंटिंग के जरिए कांग्रेस सरकार की वादाखिलाफी आम जनता के सामने रखेंगे. तृतीय चरण में मानसून विधानसभा सत्र के दौरान समग्र आंदोलन करेंगे. इस संबंध में विभिन्न अनियमित संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक में निर्णय लिया गया.

छत्तीसगढ़ अनियमित कर्मचारी मोर्चा के प्रांतीय संयोजक गोपाल प्रसाद साहू ने बताया कि कांग्रेस ने सरकार बनने पर 10 दिवस में प्राथमिकता से अनियमित कर्मचारियों की मांगों को पूरा करने का वादा किया था. यही नहीं कांग्रेस के जन-घोषणा (वचन) पत्र में अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण करने, छंटनी न करने और आउट सोर्सिंग बंद करने तथा पृथक कर्मचारियों को रोजगार देने का वादा किया था.

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 14 फ़रवरी 2019 को घोषणा की थी कि यह वर्ष किसानों का है, आगामी वर्ष कर्मचारियों का होगा. लेकिन मार्च 2019 में बनी समिति अभी तक रिपोर्ट नहीं सौंपी है. जुलाई 2019 से शासन अभी तक अनियमित कर्मचारियों की आंकड़े प्राप्त नहीं कर सकी है. यही नहीं आउट सोर्सिंग बंद नहीं हुआ है.

साहू ने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने वादे के विपरीत 10 हजार से अधिक अनियमित कर्मचारियों यथा स्कूल सफाई कर्मचारी, महिला पुलिस वालेंटियर, अतिथि शिक्षकों, शिक्षण सेवक, स्वस्थ्य कर्मचारियों, ग्रामीण विकास विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटरों की छटनी कर दी, और छटनी निरंतर जारी है. मार्च 2017 के पश्चात् न्यूनतम वेतन एवं अगस्त 2019 के पश्चात् संविदा वेतन में बढ़ोत्तरी नहीं की गई. उन्होंने सवाल किया कि क्या यह सरकार की दोहरी नीति नहीं है।

चुनाव को लेकर एक्शन मोड पर कांग्रेस

» बिलासपुर और दुर्ग में होगा अगला संभागीय सम्मेलन

रायपुर,04 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में इस वर्ष विधानसभा चुनाव होने वाले है। जिसे लेकर सभी राजनेतिक पार्टियां तैयारियों में जुट गए है। वहीं सीएम भूपेश बघेल समेत कांग्रेस के दिग्गज नेता एक्टिव मोड पर है। कांग्रेस ने प्रदेश में संभागीय सम्मलेन की शुरुआत की है। विधानसभा चुनाव 2023 के पहले मुख्यमंत्री भूपेश बघेल प्रदेश में 75 पार की जीत के प्लान में लग गए हैं। कांग्रेस का पहला संभागीय सम्मलेन बस्तर में हुआ।

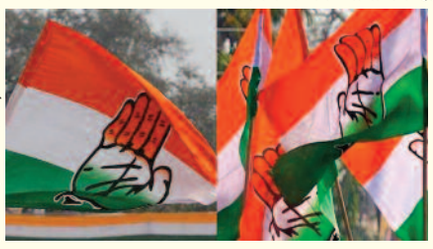

वहीं अब कांग्रेस का अगला संभागीय सम्मेलन बिलासपुर और दुर्ग में होगा। मिली जानकारी के अनुसार, बिलासपुर में 7 जून को संभागीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा और दुर्ग में 8 जून को इस कार्यक्रम का आयोजन होगा।

कांग्रेस के इस संभागीय सम्मलेन में प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा, सीएम भूपेश बघेल समेत कई बड़े नेता और कार्यकर्ता शामिल होंगे और आगामी चुनाव की रणनीति तैयार करेंगे। बता दें कि, कांग्रेस द्वारा 15 जून तक छत्तीसगढ़ के 5 संभागों में संभागीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

हटेंगे तीन वर्ष से एक जगह पर डटे अफसर,

» चुनाव आयोग ने तय की समय सीमा

रायपुर,04 जून 2023(ए)। छत्तीसगढ़ समेत देश के पांच चुनावी राज्यों के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने निर्देश जारी कर दिया है। तीन वर्ष से एक ही जगह पर डटे अधिकारियों को हटाया जाए। आयोग ने स्थानांतरण-पदस्थापना की डेडलाइन 31 जुलाई 2023 तय कर दी है।

सूत्रों की मानें तो इसके लिए मुख्य सचिव को पत्र भेजा गया है। बता दें कि इस साल छत्तीसगढ़ समेत मध्यप्रदेश, राजस्थान, मिजोरम व तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में नवंबर-दिसंबर में चुनाव प्रस्तावित है। लिहाजा अब पांच महीने का समय बचा है। ऐसे में चुनाव आयोग ने भी अपनी तैयारियां प्रारंभ कर दी है।

राज्य सरकारों को 31 जुलाई तक हर हाल में ऐसे में अफसरों के तबादले के लिए डेडलाइन जारी की है। इस आदेश का पालन कर जानकारी भी भेजने के निर्देश दिए हैं। छत्तीसगढ़ में पिछली बार विधानसभा चुनाव 2018 के दौरान भी आयोग द्वारा इस तरह के निर्देश जारी किएगए थे। पिछली बार अक्टूबर में चुनाव की घोषणा हुई थी।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर किया तंज

भाजपा राम के नाम पर वोट मांगती है

रायपुर,04 जून 2023(ए)। आज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आरंग में राजीव भवन का लोकार्पण किया। वहीं सीएम बघेल ने सभा को संबोधित करते हुए बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। सीएम बघेल ने कहा भाजपा का काम क्या है, राम नाम जपना पराया माल अपना। भाजपा गाय के नाम से वोट मांगती है, राम के नाम से वोट मांगती है। लेकिन न गाय की सेवा करती है, न राम का काम करती है। लेकिन हम महात्मा गांधी के राम राज्य के सपना सुराजी गांव के माध्यम से पूरा कर रहे हैं। सीएम भूपेश बघेल ने आगे कहा कि हम गौ माता की सेवा कर रहे हैं। तीन साल से गौठान बना रहे हैं। लेकिन भाजपा के लोग कभी नहीं गए। अब चुनाव सामने आ रहा है, तो गाय खोजने के लिए गौठान जा रहे हैं। वे गाय खोजने नहीं वोट खोजने के लिए गए थे। लेकिन न तो गाय का आशीर्वाद मिलेगा, न राम का आशीर्वाद मिलेगा। आज हम दावे से साथ कह सकते हैं कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार सबकी सरकार है, यही वजह है कि देश में आज गुजरात मॉडल की नहीं छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा होती है।

बता दें कि चिटफंड का मामला प्रदेश में काफी दिनों से चल रहा है। वहीं आज कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूर्व सीमे पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डॉ रमन सिंह चिटफंड का खूब प्रचार किए। चिटफंड कंपनी में सब घुम-घुम कर पैसा जमा करवाए। जमा के बाद पैसा लेकर भाग गए। इस संबंध में जांच के लिए गृहमंत्री को चिट्ठी लिखी, लेकिन आज तक जांच नहीं हुई। उस समय हम लोग आंदोलन किए। रमन सिंह ने सबका पैसा लुटवा दिया। हमने पैसा वापस कराने का काम किया।

मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि हमारी कोशिश है कि गरीब, किसान हो, मजदूर हो, सभी के लिए योजनाएं बनाई है। आज प्रदेश में एक लाख पांच हजार बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है। इस महीने 32 करोड़ रुपए दिए गए हैं, पिछले महीने 16 करोड़ रुपए दिए गए थे। आज मंदी का कोई असर छत्तीसगढ़ में देखने को नहीं मिल रहा है।

विदेशी मेहमान रायगढ़ के आतिथ्य से हुए अभिभूत

» इंडोनेशिया के दल ने कहा, श्री राम के ननिहाल में रामकथा का मंचन करने में मिली अलौकिक खुशी

» कलाकारों ने कहा कि मौका मिला तो दोबारा आना चाहेंगे रायगढ़

» कलेक्टर सिन्हा के कुशल मार्गदर्शन में जिला प्रशासन के पूरी टीम का रहा योगदान

रायगढ़,04 जून 2023(ए)। कला एवं संस्कृति का केन्द्र रायगढ़ अपने आतिथ्य के लिए भी प्रख्यात है, तीन दिवसीय राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में शामिल हुए देश के अन्य राज्यों के साथ विदेशी मेहमानों ने भी रायगढ़ के आतिथ्य से अभिभूत नजर आए। विदेशी मेहमानों के साथ दूसरे राज्य के कलाकारों ने शासन द्वारा आयोजित इस विराट रामायण महोत्सव की तारीफ करते हुए रायगढ़ कलेक्टर श्री तारन प्रकाश सिन्हा एवं जिला प्रशासन की व्यवस्थाओं और मेहमान नवाजी की सराहना की। उन्होंने कहा कि शहर में पहुंचते ही शासन-प्रशासन द्वारा बेहतर व्यवस्थाएं की गयी थी कि आज वे खुद को परिवार का सदस्य जैसा महसूस कर रहे है। उन्होंने कहा कि राम के ननिहाल में रामकथा का मंचन करने का मौका मिला जिससे उन्हें अलौकिक खुशी मिल रही है। आगे भी रायगढ़ आने का मौका मिला तो वे निश्चित ही खुशीपूर्वक आना चाहेंगे।

राष्ट्रीय रामायण महोत्सव में शामिल असम रामायण मंडली के सदस्यों ने कहा कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा आयोजित रामायण महोत्सव में शामिल होने का मौका मिला, उन्हें इस बात की बहुत खुशी है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के अतिथि सत्कार से उन्हें यहां इस तरह का वातावरण मिला कि वे यहां जल्द ही घूल-मिल गए। इसी प्रकार मध्यप्रदेश के मंडली कॉर्डिनेटर श्री संजय पटेरिया ने कहा कि वे यहां रामायण महोत्सव में शामिल होने के लिए पूरी टीम के साथ आये हुए है। शासन द्वारा बहुत अच्छा आयोजन किया गया। इतने बड़े आयोजन को जिला प्रशासन द्वारा बेहतर ढंग से मैनेज के साथ ही कलाकारों के आतिथ्य में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी गई। जो रायगढ़ के समृद्ध आतिथ्य परंपरा की पहचान है। उन्होंने शासन को इस तरह के आयोजन आगे भी आयोजित करने के लिए अनुरोध किया, ताकि अन्य राज्यों के कलाकारों को भी यहां आने का मौका मिल सके। इसी प्रकार श्री कमलेश यादव ने कहा कि यह एक अच्छा प्रयास था, अपनी संस्कृति एवं सभ्यता को आज शासन द्वारा इस आयोजन के माध्यम से जीवंत कर दिया। उन्होंने इस आयोजन के लिए शासन को धन्यवाद दिया। इसी तरह राशि वर्मा, आर्यन गुप्ता, आशुतोष एवं अनूज ने भी व्यवस्थाओं की तारीफकरते हुए कहा कि यहा आयोजन उनके लिए एक नया अनुभव रहा। रामायण महोत्सव में अपनी प्रस्तुति देने आये अन्य कलाकारों ने भी अपनी बात रखते हुए कहा कि इतने बड़े आयोजन में शामिल होने का मौका मिला जहां विभिन्न राज्यों के साथ विदेशी कलाकार भी उपस्थित रहे।

पश्चिम बंगाल से आये सृजन्तिका डांस एकेडमी के सदस्यों ने कहा कि वे पहली बार छत्तीसगढ़ आये है और यहां की व्यवस्था एवं आतिथ्य से काफी प्रभावित है। उन्होंने कहा कि भव्य रामायण महोत्सव में शामिल होने का मौका मिला, इसकी खुशी है। वहीं रामायण महोत्सव के अंतिम दिन मुख्यमंत्री श्री बघेल कार्यक्रम में शामिल होकर इसके महत्व को और भी बढ़ा दिया। उन्होंने कहा कि रामायण की कहानी सभी के दिल में बसे यह रामायण महोत्सव का उद्देश्य था, यह निश्चित तौर पर सफल रहा। उन्होंने कहा कि दोबारा जब भी मौका मिला तो खुशी-खुशी आना चाहेंगे

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से पहली बार छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले में राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन हुआ। जहां 12 राज्यों की टीमों ने अरण्य काड पर रामायण की प्रस्तुति दी। रामायण की ऐसी जीवंत प्रस्तुति को देखकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। वहीं कंबोडिया एवं इंडोनेशिया के विदेशी कलाकारों ने भी अपनी मनमोहक प्रस्तुति दी। जिससे रायगढ़ जिला बीते तीन दिनों से पूरा राममय नजर आ रहा था। जहां स्थानीय जनमानस के अलावा अन्य जिलों के लोग भी बड़ी संख्या में रामायण महोत्सव का हिस्सा बनने के लिए आये हुए थे।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)